आषाढ़ शुक्ल - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 338 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 07-07-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

4 हिन्दू धर्म को नीचा दिखाने का कुत्सित प्रयास बर्दाश्त के बाहर : जोशी

6 फ्लाइट ले. सुहास बिस्वास: आग की लपटों से घिरा विमान, सूझबूझ से बचाई कई लोगों की जान

7 हमें बेहतर करना चाहिए था, इसमें कोई छिपी बात नहीं : पेटीएम संस्थापक

फर्स्ट टेक

संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से 12 अगस्त तक

नई दिल्ली/एजेन्सी। संसद का बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होगा जो 12 अगस्त तक चलेगा। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, माननीय राष्ट्रपति ने बजट सत्र के लिये दोनों सदनों की बैठकें 22 जुलाई से 12 अगस्त तक बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी है। रिजिजू ने कहा कि वर्ष 2024-25 का बजट 23 जुलाई को पेश किया जायेगा।

नीट यूजी - पीजी काउंसलिंग कार्यक्रम घोषित नहीं

नई दिल्ली/एजेन्सी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की मेडिकल काउंसलिंग कमेटी ने अभी तक वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी और पीजी की काउंसलिंग कार्यक्रम अभी घोषित नहीं किया है। मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के तहत चिकित्सा परामर्श समिति (एमसीसी) ने अभी तक वर्ष 2024 के लिए नीट यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों की काउंसलिंग अनुसूची अधिसूचित नहीं की है। मंत्रालय के अनुसार नीट यूजी और पीजी के लिए काउंसलिंग कार्यक्रम की घोषणा एमसीसी अपनी वेबसाइट पर परीक्षा प्रक्रिया पूरी होने और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के आधार पर की जाती है। वर्ष 2024 के लिए एनएमसी यूजी और पीजी सीटों के लिए जुलाई के तीसरे सप्ताह तक यूजी सीट बंटवारे और अगस्त के मध्य तक पीजी सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे देगा। इसके पश्चात एमसीसी काउंसलिंग कार्यक्रम अधिसूचित करेगा।

मसूद पेज़ेशकियान ईरान के नौवें राष्ट्रपति चुने गए

तेहरान/एजेन्सी। ईरान के सुधारवादी नेता एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मसूद पेज़ेशकियान ने शुक्रवार को हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की और देश के नौवें राष्ट्रपति बन गये। ईरान के चुनाव मुख्यालय के प्रवक्ता मोहसिन एस्लामी ने पेजेशकियान के जीत की घोषणा की। उन्होंने बताया, कुल 30,510,157 वोट में से मसूद पेज़ेशकियान को 16,384,403 वोट मिले और उनके प्रतिद्वंदी सईद जलीली को 13,538,179 वोट मिले। पेजेशकियान पेशे से हृदय के सर्जन भी हैं। पेजेशकियान (69)ने पांच चार साल के कार्यकाल के लिए ईरानी संसद में सांसद के रूप में अपनी सेवा थी। वह ईरान की 10वीं संसद के उपाध्यक्ष भी रहे थे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने तत्कालीन राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी के प्रशासन के दौरान चार वर्षों तक ईरान के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में अपनी सेवा दी है।

07-07-2024 सूर्यास्त 6:39 बजे | 08-07-2024 सूर्योदय 5:48 बजे

BSE	NSE
79,996.60	24,323.85
(-53.07)	(+21.70)

सोना	चांदी
7,606 रु.	99,300 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ब्लेम बवंडर

पुख्ता सबूत के बिना सदा,
होते मसले सब सारहीन।
ज्यों कोई खड़ा तबेले में,
हो मगन बजाए मधुर बीन।
मिडिया आरोपों को परखे,
पहले ढूंढे सच्ची जमीन।
वर्ना प्रचार के तंत्र श्रेष्ठ,
हो जायेंगे सारे मलीन।।

कश्मीर से दो विधान, दो प्रधान, दो निशान समाप्त हो गए हैं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/एजेन्सी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को गुजरात के गांधीनगर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कश्मीर से दो विधान, दो प्रधान और दो निशान समाप्त हो गए हैं और वहां तिरंगा बड़ी शान से लहरा रहा है।

शाह ने शनिवार को यहां 102वें अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और सचिव, सहकारिता मंत्रालय सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती है। आज अगर बंगाल और कश्मीर भारत का हिस्सा हैं, तो इसका एकमात्र कारण डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने ही एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेगे के आंदोलन का नेतृत्व किया और इसके लिए लड़ते-लड़ते अपने प्राण न्यौछावर कर दिये। आज प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में कश्मीर से दो विधान, दो प्रधान और दो निशान समाप्त हो गए हैं और वहां तिरंगा बड़ी शान से लहरा रहा है। उन्होंने कहा कि आज बाबू जगजीवन राम जी की भी पुण्यतिथि है, जिन्होंने देश के दलितों के लिए कई विकास कार्यक्रम चलाए और सामाजिक समरसता और धर्म परिवर्तन के विरोध की नींव रखी।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज सहकारिता क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों कार्यकर्ताओं के लिए कई प्रकार से एक बहुत महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन प्रधानमंत्री ने एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की थी। पिछली सरकारों ने कभी अलग सहकारिता मंत्रालय की आवश्यकता महसूस नहीं की। गुजरात की धरती से आने वाले श्री मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद आज के समय में सहकारिता की ज़रूरत को समझकर 2021 में एक स्वतंत्र सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की थी।

मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 15 जुलाई तक बढ़ी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत शनिवार को 15 जुलाई तक बढ़ा दी। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता सिसोदिया की न्यायिक हिरासत अवधि समाप्त होने पर उन्हें विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उनकी हिरासत अवधि बढ़ा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पिछले साल नौ मार्च को सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया था।

जम्मू कश्मीर के कुलगाम में

मुठभेड़ में चार आतंकी ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए और एक सैनिक शहीद हो गया। जिले में दो जगहों पर मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि कुलगाम के फ्रिसल चिन्नीगाम इलाके में घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किए जाने के दौरान आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ हो गई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में अब तक चार आतंकवादी मारे गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ स्थल की ड्रोन फुटेज में चार शव पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं, लेकिन (सीबीआई) से जांच कराए जाने की मांग की। मोटरसाइकिल सवार छह लोगों के एक समूह ने चेन्नई नगर निगम के पूर्व पार्षद आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को पेरम्बूर में उनके घर के पास हत्या कर दी थी।

एक सैनिक शहीद

गोलीबारी अभी भी जारी रहने के कारण शव अभी बरामद नहीं किये जा सके हैं। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ स्थल का दौरा करने वाले कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) वी.के. बिरधी ने कहा कि अभियान जारी रहेगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''कुछ शव (आतंकवादियों के) देखे गए हैं, लेकिन मुठभेड़ अभी समाप्त नहीं हुई है।'' बिरधी ने बताया कि मुठभेड़ स्थल श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग के नजदीक नहीं बल्कि जिले के अंदरूनी इलाकों में है। इससे पहले, अधिकारियों ने बताया कि कुलगाम जिले के मोडरगाम गांव में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई।

भारतीय रेलवे ने राहुल गांधी पर लगाया आरोप

अपनी छवि चमकाने के लिए रेलवे की छवि बिगाड़ रहे हैं राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय रेलवे ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंच कर रेलकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार का विमर्श स्थापित करने की कोशिश को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि श्री गांधी अपनी छवि चमकाने के लिए रेलवे को विकास की पटरी से उतार कर सियासी अखाड़ा बनाने पर आमादा हैं।

रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहचान उजागर नहीं करने की शर्त पर कहा कि यह बहुत ही दुःखद बात है कि भारतीय रेलवे को लेकर पिछले कुछ समय से सियासत जोरों पर है। इससे पहले रेलवे में अक्सर नई ट्रेनों की शुरुआत होने की, रिकॉर्ड स्तर पर रेल कोच तैयार होने की, देशभर में तेजी से हो रहे रेलवे इलेक्ट्रिफिकेशन की और तमाम उपलब्धियों की खबरें की पढ़ने और देखने में आती थीं, लेकिन अचानक रेलवे की छवि पर अब सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी हो जाता है कि क्या रेलवे को अब सियासी फायदे के लिए कोई अपना हथियार बना रहा है? कोई अपनी राजनीतिक छवि चमकाने के लिए रेलवे की छवि पर दाग लगाने की कोशिश कर रहा है?

रेल अधिकारियों का कहना है कि इसका दिलचस्प पहलू यह है कि जिस संयुक्त प्रगतिशील सरकार (संप्रग) सरकार के कार्यकाल में रेलवे की प्रगति बहुत धीमी थी और उस सरकार में रेलवे का नेतृत्व करने वाले नेता आज की भारतीय रेलवे पर सिर्फ सवाल ही नहीं उठा रहे हैं, बल्कि तरह-तरह के निराधार आरोप भी लगा रहे हैं। इस संबंध में रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुछ दिनों पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रेलवे को लेकर भ्रामक खबरें फैलाईं और अब लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी लोगों के बीच रेलवे की गलत छवि बनाने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि रील बनाकर उस रेलवे को बदनाम करने की कोशिश हो रही है, जो रोज दो करोड़ यात्रियों की सेवा में दौड़ रही है। रील बनाकर अपनी छवि सुधारने वाले लोगों को यह जरूर सोचना और समझना चाहिए कि देश रील से नहीं, काम करने से चलता है और भारतीय रेलवे भी रील बनाने से नहीं बल्कि लाखों अपने कर्मठ कर्मचारियों की मेहनत एवं लगन से चल रहा है।

ईरान का राष्ट्रपति चुनाव 'स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं' था: अमेरिका

दुबई/एपी। अमेरिका ने ईरान के राष्ट्रपति चुनाव की आलोचना करते हुए शनिवार को कहा कि यह न तो स्वतंत्र था और न ही निष्पक्ष। अमेरिका ने यह भी कहा कि इस चुनाव के बाद मानवाधिकारों पर इस्लामी गणराज्य के रुख में कोई बदलाव नहीं आएगा। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने एक सवाल पर कहा कि वह तेहरान के साथ कूटनीति का प्रयोग तब जारी रखेगा, जब ''यह अमेरिकी हितों को आगे बढ़ाएगा।'' उन्होंने कहा, ''ईरान में चुनाव स्वतंत्र या निष्पक्ष नहीं थे। परिणामस्वरूप, ईरान के एक महत्वपूर्ण हिस्से ने चुनाव में भाग नहीं लेने का फैसला किया।'' प्रवक्ता ने कहा, ''हमें कोई उम्मीद नहीं है कि इन चुनावों से ईरान की दिशा में मौलिक परिवर्तन आएगा या उसके नागरिकों के मानवाधिकारों के प्रति अधिक सम्मान पैदा होगा। जैसा कि उम्मीदवारों ने खुद कहा है, ईरानी नीति सर्वोच्च नेता द्वारा निर्धारित की जाती है।''

बसपा नेता के. आर्मस्ट्रांग की हत्या मामले में आठ संदिग्ध पकड़े गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

के. आर्मस्ट्रांग

चेन्नई/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के सिलसिले में कम से कम आठ संदिग्धों को पकड़ा गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। हालांकि दिवंगत नेता के समर्थकों और नेताओं ने सवाल उठाया है कि गिरफ्तार किए गए संदिग्ध क्या असली अपराधी हैं। आर्मस्ट्रांग के समर्थकों ने दावा किया कि उनकी हत्या योजना बनाकर की गई'' थी और उन्होंने 52 वर्षीय आर्मस्ट्रांग की मौत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो

पुलिस को मामले की जांच तेजी से करने और दोषियों को कानून के अनुसार सजा दिलाने का आदेश दिया है। मैं शोक संतप्त परिवार और उनके मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं।
– एम. के. स्टालिन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने आर्मस्ट्रांग की हत्या की घटना पर शनिवार को दुख जताया और कहा कि इस मामले के आरोपियों को रातभर चले अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया।

आम आदमी पार्टी नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ सीसीटीवी मामले में जांच की सिफारिश मंजूर

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना ने राष्ट्रीय राजधानी सरकार क्षेत्र के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत जांच की सिफारिश को मंजूरी दे दी है। राजनिवास के अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यह मामला राष्ट्रीय राजधानी में सीसीटीवी लगाने में कथित भ्रष्टाचार से जुड़ा है। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि जैन के खिलाफ मामला उसके और दिल्ली सरकार के खिलाफ भाजपा की निरंतर साजिशों का हिस्सा है।

दूसरी ओर, भाजपा ने कहा कि जांच की मंजूरी कोई आश्चर्य की बात नहीं है और इसकी बहुत पहले से उम्मीद थी।

आप ने एक बयान में कहा, ''भाजपा दिल्ली सरकार के कामों को रोकने के लिए दिन-रात उसके खिलाफ लगातार साजिश रच रही है।

केवल भाजपा ही जन-हितैषी और युवा-केंद्रित शासन दे सकती है : अन्नामलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शनिवार को दावा किया कि केवल भाजपा ही जन-हितैषी और युवा-केंद्रित शासन दे सकती है, और भरोसा जताया कि पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में सरकार बनाएगी।

अन्नामलाई ने राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना की और राज्य पुलिस पर सत्तारूढ़ पार्टी के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेन्नई में पार्टी की राज्य कार्यकारिणी की बैठक में आरोप लगाया कि अपराध, अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों पर आंखें मूंदकर द्रमुक केवल भाजपा के कार्यकर्ताओं को डराने और हिरासत में लेने पर आमादा है।

अन्नामलाई ने आरोप लगाया, हमारे कार्यकर्ताओं को निशाना बनाया जा रहा है, और उनके कारोबार को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

पार्टी अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार ने खराब शासन दिया है, जिससे राज्य की कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। इससे जनता का जीवन दयनीय हो गया है जो हर दूसरे दिन लगातार हत्याओं और डकैतियों के कारण भय और संकट में जागती है। उन्होंने दावा किया कि पूरे राज्य में अवैध शराब और मादक पदार्थों की तस्करी पर कोई रोक नहीं है और राज्य पुलिस राज्य सरकार के इशारे पर काम कर रही है।

कश्मीर में भय पैदा करने के लिए भाड़े के सैनिकों का इस्तेमाल कर रहा सीमा पार से दुश्मन : डीजीपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डोडा/जम्मू/भाषा। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर.आर. स्वैन ने शनिवार को कहा कि सीमा पार से दुश्मन जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बरकरार रखने के मद्देनजर लोगों में भय का माहौल पैदा करने के लिए भाड़े के विदेशी सैनिकों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के डीजीपी स्वैन ने कहा कि पुलिस अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

डोडा जिले के गंदोह इलाके में हाल में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान बहादुरी के लिए सात विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) को कांस्टेबल के रूप में पदोन्नत करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पुलिस प्रमुख ने कहा कि लोग सुरक्षा एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं।

गंदोह इलाके में 26 जून को हुई मुठभेड़ में तीन विदेशी आतंकवादी मारे गए थे। इस इलाके में एक दशक से अधिक समय में यह पहली मुठभेड़ थी।

पाकिस्तान का नाम लिए बिना स्वैन ने कहा, ''हमारे विरोधी और दुश्मन ने यह सोचकर चुनौती पेश की है कि यह सीमावर्ती क्षेत्र है और वे इसका फायदा उठाकर विदेशी आतंकवादियों को भेजकर लोगों में भय पैदा करके आतंकवाद को पुनर्जीवित कर सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे (विदेशी आतंकवादी) बड़ी संख्या में नहीं हैं और हम उन्हें हराने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं, जैसा कि हमने जनता और अन्य बलों के सहयोग से अतीत में किया है।''

श्री वेपेरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ
के तत्वावधान में
परम पूज्य आचार्य देव
तार्किक शिरोमणि श्रमणी गणनायक
श्रीमद् विजयअभय शेखर सुरीश्वर जी महाराज

के सुशिष्यरत्न परम पूज्य पन्यास प्रवर
श्री जयभानुशेखरविजय जी म. सा. एवं
परम पूज्य साध्वी श्री हर्षज्योतिश्रीजी म.सा. के

संयम सुवर्ण वर्ष चातुर्मास 2024
भव्यातिभव्य प्रवेश प्रसंगे - आत्मीय आमंत्रण

दिनांक 7 जुलाई 2024 दिन रविवार प्रातः 7:00 बजे
विमलाचल अपार्टमेंट से वरघोड़ा प्रारंभ प्रातः 8:00 बजे से
प्रातः 9:00 बजे श्री वेपेरी उपाश्रय में पूज्य गुरु भगवंतो का मंगल प्रवेश
प्रातः 9:15 बजे प्रवचन धर्म सभा एवं सामूहिक आयंबिल

सोने पे सुहागा

तपस्वी रत्न परम पूज्य श्री विजयशेखरविजयजी म. सा. एवं
परम पूज्य मुनी श्री जीतशेखरविजयजी म. सा. के वर्धमान तप की
100 वीं ओली का शुभारंभ भी प्रवेशोत्सव पर होगा
सकल श्री संघ इष्ट मित्रों सहित चातुर्मास प्रवेश उत्सव पर सादर आमंत्रित हैं।

निमंत्रक : श्री वेपेरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ, चेन्नई
संपर्क सूत्र : आकाश भाई 98842 70448 रमण भाई 97596 38822

सहज स्मृति योग

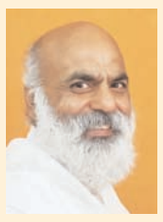

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, ध्यान में ऐसा क्या अलग है जो यज्ञ, पूजा, नाम-जप में नहीं है? आप बारंबार ध्यान की ओर ही संकेत क्यों करते हैं?

उत्तर: ध्यान के प्राथमिक सोपान तार्किक विवेचन, मनन, चिंतन जैसी क्रियाएँ हैं जिनसे मन में स्पष्टता आती है। स्पष्टता बहुत बड़ा बल है जो व्यक्ति के चरित्र निर्माण और विकास का अनिवार्य घटक है। यज्ञ की उत्पत्ति कर्म से है और कर्म, कब, कहाँ, किसके लिए, क्या अनुकरणीय है। यह स्पष्टता प्राप्त होने पर ही यज्ञ में रूपांतरित हो पाता है। पूजा भी साधक या याचक किसी इष्ट सिद्धि के लिए ही करते हैं। जो ध्यान में बिना याचना, प्रार्थना या कामना के सहज ही प्राप्त होती जाती है। ध्यान में नाम जप भी अजपा स्थिति से निकल कर अत्यंत सूक्ष्म सहज सनातन स्मृति स्वरूप में शिष्य के अस्तित्व का स्वाभाविक अंग हो जाता है। संक्षेप में, उपयोगिता की दृष्टि से, इन्हीं सब कारणों को ध्यान में रखकर ध्यान की ओर संकेत करते हैं और, वैश्विक स्तर पर ध्यान की सर्व स्वीकार्यता की संभावना भी, आपके गिनाए अन्य सभी साधनों से कहीं अधिक विवेक संगत दिखती है। मत वाद से परे, ध्यान से कदाचित् हम विश्व की चित्तवृत्ति में शुभ परिवर्तन ला पाएँ। इसलिए संकेत करते हैं।

हिमाचल में भारी बारिश

150 सड़कें बाधित, धर्मशाला में 214.6 मिमी बारिश दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई और धर्मशाला तथा पालमपुर में 200 मिमी से अधिक बारिश दर्ज की गई। आपातकालीन अभियान केंद्र के अनुसार, भारी बारिश के कारण 150 सड़कों पर यायायात बाधित हो गया, जिनमें मंडी में 111, सिरमौर में 13, शिमला में नौ, चंबा और कुल्लू में आठ-आठ तथा कांगड़ा जिले में एक सड़क शामिल है। इसने यह भी बताया कि राज्य में भारी बारिश के चलते 334 ट्रांसफार्मर खराब हो गए और 55 जलापूर्ति योजनाएं प्रभावित हुई हैं।

कांगड़ा के धर्मशाला में सबसे अधिक 214.6 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद पालमपुर में 212.4 मिमी, जोगिंद्र नगर में 169 मिमी, कांगड़ा शहर में 157.6 मिमी, बैजनाथ में 142 मिमी, जोत में 95.2 मिमी, नगरोटा सूरियां में 90.2 मिमी, सुजानपुर टीहरा में 72 मिमी, धौलाकुआं में 70 मिमी, घमरूर में 68.2 मिमी, नादौन में 63 मिमी और बरठी में 58.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। शिमला मौसम कार्यालय ने 12 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ तूफान आने की चेतावनी देते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया है। अन्य पर्यटन स्थलों-डलहौजी में 31 मिमी, मनाली में 30 मिमी, कसौली में 24 मिमी, नारकंडा में 19 मिमी और शिमला में 17.2 मिमी बारिश हुई। बृहस्पतिवार रात लाहौल और स्पीति के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू चार दिवसीय दौरे पर ओडिशा पहुंचीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार को ओडिशा के चार दिवसीय दौरे पर भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से यहां पहुंचीं। राज्यपाल रघुबर दास और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति का स्वागत किया। इसके बाद मुर्मू उत्कलमणि' पंडित गोपबंधु दास की 96वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में गईं। दास ने 1936 में ओडिशा के अलग राज्य के गठन में अग्रणी भूमिका निभाई थी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य के मयूरभंज जिले से ताल्लुक रखने वाली मुर्मू सात जुलाई को पुरी में रथ यात्रा देखने भी जाएंगी। उन्होंने बताया कि अगले दिन वह उदयगिरि गुफाओं को देखने जाएंगी और बिभूति कानूनगो कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट्स और उत्कल यूनिवर्सिटी ऑफ कल्चर के छात्रों से बातचीत करेंगी।

आठ जुलाई को राष्ट्रपति भुवनेश्वर के निकट हरिदमदा गांव में ब्रह्माकुमारीज के डिवाइन रिट्रीट सेंटर' का उद्घाटन करेंगी और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली' अभियान की शुरुआत करेंगी।

मुर्मू नौ जुलाई को भुवनेश्वर में राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईएसईआर) के 13वें स्नातक समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति का उसी दिन ओडिशा से प्रस्थान करने का कार्यक्रम है।

दलाई लामा 89 वर्ष के हुए, स्वयं को शारीरिक रूप से स्वस्थ बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धर्मशाला/भाषा। तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा शनिवार को 89 वर्ष के हो गए तथा अपने जन्मदिन संदेश में उन्होंने कहा कि वह शारीरिक रूप से स्वस्थ हैं और भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के प्रति अपनी सेवा जारी रखने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। दलाई लामा अमेरिका में हैं जहां वह घुटने की सर्जरी से उबर रहे हैं। धर्मशाला में उनके कार्यालय द्वारा जारी किए गए संदेश में उनके हवाले से कहा गया, मैं अब लगभग 90 वर्ष का हो चुका हूं, लेकिन अपने पैरों में थोड़ी तकलीफ के अलावा मैं अस्वस्थ महसूस नहीं करता हूं और अपने जन्मदिन पर तिब्बत और उसके बाहर रहने वाले साथी तिब्बतियों को आपकी प्रार्थनाओं के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

उन्होंने कहा, सर्जरी के बावजूद मैं शारीरिक रूप से स्वस्थ महसूस कर रहा हूं और आपसे खुश और तनावमुक्त रहने का अनुरोध करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, मैं बुद्ध की शिक्षाओं के प्रति अपनी सेवा जारी रखने के लिए दृढ़ संकल्पित हूं। उन्होंने कहा, आज तिब्बत के अंदर एवं बाहर के लोग बहुत खुशी व जश्न के साथ मेरा जन्मदिन मना रहे हैं तथा तिब्बती एवं हिमालयी क्षेत्रों के सभी लोग भी मेरे लिए प्रार्थना कर रहे हैं, मैं आप सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। उन्होंने कहा, मुझे थोड़ी शारीरिक परेशानी महसूस हो रही है, लेकिन उम्र बढ़ने के कारण इसे टाला नहीं जा सकता है। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं इसलिए, कृपया आराम करें और सहज रहें। निर्वासित तिब्बती सरकार ने एक बयान में दलाई लामा के लिए दीर्घायु की कामना की।

इसमें कहा गया, आप दीर्घायु हों और आपकी सभी इच्छाएं बिना किसी बाधा के पूरी हों। हमारे उद्देश्य की सच्चाई की जीत हो और तिब्बत के अंदर एवं बाहर रहने वाले तिब्बती जल्द ही एक हो।

बेहतर है कि द्रमुक-कांग्रेस ओछी राजनीति करने के बजाय संवेदना प्रदर्शित करे : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. आर्मस्ट्रांग की हत्या को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)-कांग्रेस सरकार को घेरने की कोशिश की और कहा कि इस घटना ने गरीब और वंचित वर्गों के प्रति उनकी उपेक्षा की पुष्टि की है।

नड्डा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''जहरीली शराब त्रासदी से प्रभावित लोगों में से कई समाज के इन्हीं वर्गों से भी थे। बेहतर है कि द्रमुक-कांग्रेस ओछी राजनीति करने के बजाय संवेदना प्रदर्शित करे। उन्होंने कहा कि आर्मस्ट्रांग की जघन्य हत्या ने पूरे देश में क्षोभ की लहर उत्पन्न की है।

भाजपा प्रमुख ने कहा, ''आर्मस्ट्रांग की हत्या ने समाज के गरीब और वंचित वर्गों के प्रति द्रमुक-कांग्रेस की उपेक्षा की पुष्टि की है।'' उन्होंने कहा कि समाज में हाशिये पर पहुंचे वर्गों को सशक्त बनाने के लिए काम कर रहे एक उभरते हुए नेता का जीवन क्रूरतापूर्वक समाप्त कर दिया गया। नड्डा ने कहा, ''मेरी संवेदनाएं उनके (आर्मस्ट्रांग के) परिजनों और दोस्तों के साथ हैं। मैं तमिलनाडु सरकार से आग्रह करता हूं कि वह दोषियों को जल्द से जल्द सजा दे।''

चेन्नई पुलिस ने शनिवार को कहा कि आर्मस्ट्रांग की हत्या राजनीतिक कारणों से की गई नहीं प्रतीत होती और सभी कोणों से जांच की जा रही है।

महाराष्ट्र सरकार सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए तीन कंपनियों से कर रही बात : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित करने के लिए तीन कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। वह केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ बुटीबोरी क्षेत्र में होरिबा इंडिया की चिकित्सा उपकरण और उपभोग्य सामग्रियों की विनिर्माण इकाई का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। होरिबा इंडिया, जापानी फर्म होरिबा लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी है।

फडणवीस ने पुणे और नागपुर में विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए होरिबा के चेयरमैन अतुशी होरिबा को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य में सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित करने के लिए होरिबा सहित तीन कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने होरिबा को प्रस्ताव दिया है कि वह नागपुर में सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित करे। उन्होंने कहा कि इसके लिए जमीन आरक्षित रखी जाएगी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने शहर में अपना संयंत्र शुरू करने के लिए होरिबा इंडिया को धन्यवाद दिया।

होरिबा इंडिया ने एक बयान में कहा कि नागपुर संयंत्र में चरणबद्ध तरीके से लगभग 200 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा और यह भारत में 30,000 से अधिक डायग्नोस्टिक लैब और अस्पतालों को सेवाएं देगा।

राहुल गांधी ने गुजरात में विभिन्न त्रासदियों के पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुजरात में हाल के वर्षों में हुई विभिन्न त्रासदियों में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से शनिवार को मुलाकात की और उनकी शिकायतों को संसद में उठाने का वादा किया। राजकोट में टीआरपी गेम जोन अग्निकांड, वडोदरा में नाव पलटने की घटना, 2022 में मोरबी पुल ढहने की घटना और 2016 के ऊना दलित पिटाई मामले के पीड़ितों के परिजनों ने यहां गुजरात कांग्रेस मुख्यालय में लोकसभा में विपक्ष के नेता से मुलाकात की। कांग्रेस विधायक जिग्नेश मेवाणी ने कहा, ''राहुल गांधी ने पीड़ितों के परिवार के सदस्यों से बातचीत की, उनके मुद्दों को समझा और वादा किया कि वह उन्हें संसद में उठाएंगे, ताकि न्याय मिले।'' मोरबी पुल हादसे में अपनी दस वर्षीय बेटी को खोने वाले नरेंद्र परमार ने कहा कि गुजरात की भाजपा शासित ''भ्रष्ट व्यवस्था'' से उनका भरोसा उठ गया है। उन्होंने कहा, ''मैंने गांधी से कहा कि सभी मुख्य आरोपी जमानत पर हैं और अदालती कार्यवाही बहुत धीमी गति से चल रही है। हम इस भ्रष्ट व्यवस्था से अपना भरोसा खो चुके हैं। यहां तक कि कंपनी के एमडी भी जमानत पर हैं।''

बंधन बैंक ने रतन कुमार केश को अंतरिम एमडी, सीईओ नियुक्त किया

कोलकाता/भाषा। निजी क्षेत्र के बंधन बैंक ने अपने कार्यकारी निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी रतन कुमार केश को 10 जुलाई से अंतरिम प्रबंध निदेशक (एमडी) और सीईओ के रूप में नियुक्त किया है। बैंक के वर्तमान एमडी और सीईओ तथा संस्थापक चंद्रशेखर घोष नौ जुलाई को सेवानिवृत्त होंगे। बैंक ने शनिवार को शेयर बाजार को बताया कि केश तीन महीने के लिए या नए पदाधिकारी के कार्यभार संभालने तक, जो भी पहले हो, अंतरिम एमडी और सीईओ होंगे। केश की नियुक्ति बैंक के शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। वह मार्च 2023 से बंधन बैंक के कार्यकारी निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी हैं। इससे पहले वह आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, यस बैंक और एक्सिस बैंक में काम कर चुके हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नए आपराधिक कानूनों के बारे में चिदंबरम की टिप्पणी की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम पर उनकी टिप्पणी कि तीन नए आपराधिक कानून ''अकुशल लोगों ने तैयार किए'', को लेकर निशाना साधते हुए इसे ''अक्षम्य'' करार दिया और इस ''आपत्तिजनक और मानहानिकारक'' कथन को वापस लेने का अनुरोध किया।

धनखड़ ने कहा कि वह सुबह एक राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र में चिदंबरम का साक्षात्कार पढ़कर दंग रह गए, जिसमें उन्होंने कहा है कि नए कानून अकुशल लोगों ने तैयार किए हैं।

उपराष्ट्रपति ने यहां भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी) के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, क्या संसद में हम अकुशल लोग हैं? यह संसद की सूझ-बूझ का अपमान है, जिसके लिए कोई माफी नहीं है...मेरे पास ऐसी सोच और एक सांसद को अकुशल कहे जाने की निंदा करने के लिए शब्द नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से उनसे (चिदंबरम) अपील करता हूं कि कृपया संसद सदस्यों (सांसदों) के बारे में इस आपत्तिजनक, मानहानिकारक और निंदनीय टिप्पणी को वापस लें। मुझे आशा है कि वह ऐसा करेंगे। धनखड़ ने आगे कहा कि ''जब जानकार लोग जानबूझकर आपको गुमराह करते हैं, तो हमें सतर्क रहने की जरूरत है।'' उपराष्ट्रपति ने कहा, ''आज सुबह जब मैंने अखबार पढ़ा तो एक जानकार व्यक्ति, जो इस देश का वित्त मंत्री रह चुका है, लंबे समय तक सांसद रहा है और वर्तमान में राज्य सभा का सदस्य है, ने मुझे स्तब्ध कर दिया।'' धनखड़ ने कहा कि उन्हें इस बात का गर्व है कि संसद ने ''हमें औपनिवेशिक विरासत से मुक्त करके'' तथा ''युगान्तरकारी आयाम'' वाले तीन कानून पारित करके ''एक महान कार्य'' किया है। राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने कहा कि जब सदन में तीन कानूनों - भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम- पर चर्चा हो रही थी, तो प्रत्येक सांसद को योगदान देने का अवसर मिला।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने एनओसी रद्द होने के बाद इस्लामाबाद रैली स्थगित की

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने सुरक्षा कारण का हवाला देते हुए अधिकारियों की ओर से अनुमति रद्द किए जाने के बाद इस्लामाबाद के उपनगरीय इलाके में अपनी रैली स्थगित कर दी। पार्टी का शाम छह बजे तरनोल में शक्ति प्रदर्शन करने की योजना थी और इसके लिए उसने इस्लामाबाद के उपायुक्त से एनओसी हासिल कर लिया था। नगर प्रशासन ने शुक्रवार को यह कहते हुए अनुमति रद्द कर दी कि सुरक्षा कारणों से उपायुक्त द्वारा जारी एनओसी की नए सिरे से समीक्षा की गई है। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्य आयुक्त ने वर्तमान सुरक्षा स्थिति, मुहर्रम, सुरक्षा चिंताओं और कानून लागू करने वाली एजेंसियों की रिपोर्ट के मद्देनजर राजनीतिक सभा के लिए जारी प्रमाणपत्र को रद्द करने का फैसला किया है। शुरुआत में पीटीआई नेतृत्व ने अनुमति रद्द होने के बावजूद रैली करने की धमकी दी थी। पीटीआई के नेता उमर अयूब खान ने कल देर रात संवाददाताओं से कहा कि उनकी पार्टी रैली जरूर करेगी,

जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' को दोबारा खोलने की तिथि तय करने के लिए समिति की दोबारा होगी बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार द्वारा गठित उच्च-स्तरीय समिति 'रत्न भंडार' को पुनः खोलने की तारीख तय करने के लिए नौ जुलाई को बैठक करेगी।

इस समिति का गठन जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' में आभूषणों समेत कीमती वस्तुओं की सूची बनाने के काम की निगरानी के लिए किया गया है। उच्च स्तरीय समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति विश्वनाथ रथ ने शनिवार को पुरी में समिति की पहली बैठक के बाद यह जानकारी दी। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान न्यायमूर्ति रथ ने कहा, उपलब्ध दस्तावेजों और ब्यौरे की जांच करने के बाद यह पाया गया कि रत्न भंडार की एक 'डुप्लिकेट' चाबी पुरी सरकारी खजाने में है, इसलिए हमने रत्न भंडार को फिर से खोलने की तारीख तय करने के लिए नौ जुलाई को समिति की एक और बैठक आयोजित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक को अगली बैठक में समिति के समक्ष रत्न भंडार की 'डुप्लिकेट' चाबी पेश करने को कहा गया है। रथ ने कहा कि चूंकि खजाने का आंतरिक कक्ष कई दशकों से नहीं खुला है और दरवाजे का ताला काम नहीं कर रहा होगा, इसलिए इसे ध्यान में रखते हुए ऐसी स्थिति में ताला तोड़ने के लिए सरकार की मंजूरी से मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाएगी।

समिति ने पाया कि खजाने में रखे आभूषणों और अन्य कीमती वस्तुओं को हटाए बिना मरम्मत का काम शुरू नहीं किया जा सकता, इसलिए बैठक में यह निर्णय लिया कि मरम्मत के कार्य के दौरान आभूषणों के उचित भंडारण के बारे में मंदिर प्रबंध समिति से निर्णय लेने को कहा जाए।

क्रिप्टोकरंसी निवेश धोखाधड़ी में व्यक्ति ने 31 लाख गंवाए

ठाणे/भाषा। ऑनलाइन क्रिप्टोकरंसी निवेश में धोखाधड़ी का शिकार हुए 60 वर्षीय एक व्यक्ति ने 30.80 लाख रुपये गंवा दिए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है और जांच कर रही है। वर्तक नगर थाने के एक अधिकारी ने कहा, शिकायतकर्ता से जून में दो व्यक्तियों ने व्हाट्सऐप पर संपर्क करके उसे एक समूह का सदस्य बनाया और क्रिप्टोकरंसी में निवेश करने पर भारी मुनाफे का आश्वासन दिया।

पुलिस के अनुसार, पीड़ित ने उन पर भरोसा करके करीब 31 लाख रुपये का निवेश किया।

हालांकि जब उसे कोई लाभ नहीं हुआ तो उसने समूह के एडमिन से संपर्क किया, लेकिन उसने उसे नजरअंदाज करना शुरू कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री राजनीतिक षड़यंत्र के शिकार : सुनीता केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने शनिवार को आरोप लगाया कि उन्हें (अरविंद केजरीवाल को) गहरी राजनीतिक साजिश का शिकार बनाया गया है और ईडी ने एक गवाह के झूठे बयान के आधार पर आबकारी नीति मामले में उन्हें गिरफ्तार किया।

उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सांसद मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी (एमएसआर) के बयान के आधार पर गिरफ्तार किया था। तेदेपा सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का घटक दल है। सुनीता केजरीवाल ने लोगों से दिल्ली के मुख्यमंत्री का समर्थन करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल एक ईमानदार, शिक्षित और देशभक्त व्यक्ति हैं और अगर जनता उनका समर्थन नहीं करती है, तो आप' नेता के साथ किए गए व्यवहार को देखते हुए कोई भी शिक्षित व्यक्ति राजनीति में नहीं आना चाहेगा। उन्होंने दावा किया कि मगुंटा श्रीनिवासुलु रेड्डी ने अपने बेटे राघव मगुंटा रेड्डी की गिरफ्तारी और उन्हें जमानत न मिलने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री के साथ अपनी मुलाकात के बारे में ईडी को दिया अपना बयान बदल दिया।

सुनीता केजरीवाल के अनुसार, श्रीनिवासुलु रेड्डी ने पहले कहा था कि उन्होंने दिल्ली में एक धर्मार्थ ट्रस्ट खोलने के लिए जमीन के संबंध में 16 मार्च, 2021 को दिल्ली के मुख्यमंत्री से मुलाकात की थी, लेकिन अपने बेटे की गिरफ्तारी के बाद 17 जुलाई, 2023 को उन्होंने बयान बदल दिया। उन्होंने पूछा, ईडी को दिए बयान में श्रीनिवासुलु रेड्डी ने कहा कि केजरीवाल ने लगभग 10 लोगों की मौजूदगी में उनसे दिल्ली में शराब कारोबार में उतरने और आप को 100 करोड़ रुपये देने के लिए कहा। क्या कोई इतने लोगों के सामने पैसे मांगेगा।

सुनीता केजरीवाल ने यह दावा भी किया कि श्रीनिवासुलु रेड्डी के बयान बदलते ही उनके बेटे को जमानत दे दी गई। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट है कि उनका बयान झूठा है।

गंजाम में 300 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर के रखरखाव के लिए विकास बोर्ड ने मांगा धन

ब्रह्मपुर/भाषा। ओडिशा के गंजाम जिले में मथुरा के पास स्थित मरदा जगन्नाथ मंदिर के विकास बोर्ड ने 300 साल से अधिक पुराने मंदिर के दैनिक अनुष्ठानों और रखरखाव के लिए राज्य सरकार से वित्तीय सहायता मांगी है। पोलासारा के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) एवं मंदिर विकास बोर्ड के सचिव कुरेश चंद्र जानी ने ओडिशा हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती आयोग के आयुक्त को मंदिर में दैनिक अनुष्ठानों के सुचारू संचालन के लिए कम से कम 500 रुपये प्रतिदिन उपलब्ध कराने के लिए एक पत्र लिखा है।

बीडीओ ने कहा, ''मंदिर का गौरवशाली इतिहास है। विभिन्न स्थानों से लोग मंदिर का इतिहास जानने के साथ-साथ इसकी प्राकृतिक सुंदरता देखने के लिए आते हैं। हमने ओडिशा हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती आयोग के आयुक्त से मंदिर के दैनिक अनुष्ठान और रखरखाव के लिए धन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।''

पंचवटी एक्सप्रेस के डिब्बे अलग हुए, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। नासिक और मुंबई के बीच परिचालित होने वाली एक एक्सप्रेस ट्रेन के डिब्बे शनिवार सुबह ठाणे के कसारा में अलग हो गए, हालांकि इस घटना में कोई यात्री हताहत नहीं हुआ। रेलवे के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि डिब्बे को आपस में पुनः जोड़े जाने में 40 मिनट लगे, जिसके बाद रेलगाड़ी गंतव्य की ओर रवाना हुई। मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी स्वप्निल नीला ने बताया कि पंचवटी एक्सप्रेस नासिक जिले के मनमाड जंक्शन से मुंबई के लिए रवाना हुई थी लेकिन मुंबई से लगभग 128 किलोमीटर दूर कसारा रेलवे स्टेशन पर इसके डिब्बे अलग हो गए।

उन्होंने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब ट्रेन सुबह करीब 8.40 बजे कसारा स्टेशन से निकल रही थी। उन्होंने कहा, 'ट्रेन के कोच नंबर चार और पांच एक दूसरे से अलग हो गए थे। हम जांच करेंगे कि ये डिब्बे क्यों अलग हुए।' पंचवटी एक्सप्रेस मुंबई और मनमाड जंक्शन के बीच परिचालित होती है।

बसपा नेता की हत्या : आठ संदिग्ध पकड़े गए, समर्थकों ने सीबीआई जांच की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या के सिलसिले में कम से कम आठ संदिग्धों को पकड़ा गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। हालांकि दिवंगत नेता के समर्थकों और नेताओं ने सवाल उठाया है कि गिरफ्तार किए गए संदिग्ध क्या असली अपराधी हैं। आर्मस्ट्रांग के समर्थकों ने दावा किया कि उनकी हत्या योजना बनाकर की गई'' थी और उन्होंने 52 वर्षीय आर्मस्ट्रांग की मौत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की मांग की। मोटरसाइकिल सवार छह लोगों के एक समूह ने चेन्नई नगर निगम के पूर्व पार्षद आर्मस्ट्रांग की शुक्रवार को पेरम्बूर में उनके घर के पास हत्या कर दी थी।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने आर्मस्ट्रांग की हत्या की घटना पर शनिवार को दुख जताया और कहा कि इस मामले के आरोपियों को रातभर चले अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया गया। स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पुलिस ने हत्या में शामिल लोगों को रात भर चले अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस को मामले की जांच तेजी से करने और दोषियों को कानून के अनुसार सजा दिलाने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा, मैं शोक संतप्त परिवार और उनके मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं। आर्मस्ट्रांग के शव का शनिवार को यहां एक सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम किया गया। आर्मस्ट्रांग के समर्थकों ने अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया और हत्या के मामले की सीबीआई से जांच कराए जाने की मांग की।

बसपा के एक पदाधिकारी ने कहा कि यह एक ''सुनियोजित हत्या'' थी और उन्होंने दावा किया कि यह खुफिया विफलता'' का परिणाम है इसलिए केंद्रीय एजेंसी को मामले की जांच करनी चाहिए। चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन के सामने स्थित अस्पताल के बाहर आर्मस्ट्रांग के समर्थकों के विरोध प्रदर्शन के कारण व्यस्त 'पूनमल्ले हाई रोड' पर यातायात बाधित हो गया। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को वहां से हटाया। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (उत्तर) असरा गर्ग ने शुक्रवार देर रात संवाददाताओं को बताया कि पुलिस ने इस मामले को सुलझाने के लिए 10 टीम गठित की हैं। उन्होंने कहा, हमने अब तक आठ संदिग्धों को पकड़ा है। यह शुरुआती जांच है। प्रारंभिक जांच है। कुछ समय बाद अधिक तथ्यों और घटना की परिस्थितियों का पता चलने के बाद और स्पष्ट तस्वीर सामने आएगी। उन्होंने कहा कि इस हत्या के पीछे दो से तीन संदिग्ध मकसद नजर आ रहे हैं, लेकिन संदिग्धों से पूछताछ के बाद ही पता चल पाएगा कि किस कारण इस घटना को अंजाम दिया गया। इस बीच, विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) के संस्थापक और लोकसभा सदस्य थोल थिरुमावलवन ने दावा किया कि मामले के

के. आर्मस्ट्रांग

सिलसिले में जो लोग वर्तमान में पुलिस हिरासत में हैं, उन्होंने आत्मसमर्पण किया था और वे असली अपराधी नहीं हैं। उन्होंने आर्मस्ट्रांग की उनके सार्वजनिक कार्यों के लिए प्रशंसा करते हुए कहा कि दिवंगत नेता बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के ''विश्वसनीय'' सहयोगी थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए पेरम्बूर के एक निजी स्कूल में रखा जाएगा जहां लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकेंगे। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थगई ने भी कहा कि हत्या के ''असली दोषियों'' को सजा मिलनी चाहिए। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम के महासचिव ई के पलानीस्वामी ने आर्मस्ट्रांग की मौत पर शोक व्यक्त किया और कानून-व्यवस्था को लेकर सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की निंदा की। भाजपा की प्रदेश इकाई अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि द्रमुक शासन के तीन साल में हिंसा और क्रूरता सामान्य हो गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस बात पर विचार करना चाहिए कि कानून और व्यवस्था की इस स्थिति के मद्देनजर क्या उन्हें पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार है।

बसपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष की हत्या पर पार्टी प्रमुख मायावती ने गहरा दुख व्यक्त किया

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने पार्टी की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की हत्या पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि वह रविवार सुबह चेन्नई जाकर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करेंगी। बसपा प्रमुख ने शनिवार को 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''बसपा की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की कल शाम उनके चेन्नई स्थित आवास के बाहर की गयी जघन्य हत्या से पूरे समाज में दुःख व आक्रोश की लहर है।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को अविलंब सख्त व जरूरी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोका जा सके। मायावती ने कहा,''इस अति-दुःखद व चिंताजनक घटना की गंभीरता को देखते हुए कल सुबह मेरा चेन्नई जाकर आर्मस्ट्रांग को श्रद्धा-सुमन अर्पित करने और शोकाकुल परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना देने का कार्यक्रम है।'' उन्होंने कहा कि वह सभी लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील करती हैं। आर्मस्ट्रांग (52) की शुक्रवार को उनके घर के पास छह लोगों के एक समूह ने हत्या कर दी थी।

बसपा नेता की हत्या पीछे नहीं है कोई राजनीतिक कारण : पुलिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रांग की एक समूह द्वारा की गई हत्या कोई राजनीतिक प्रकृति की नहीं थी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि मामले की सभी कोणों से जांच की जा रही है चेन्नई के पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौर ने संवाददाताओं को बताया कि मामले के आठ संदिग्धों को शुक्रवार को वारदात के तीन घंटे के भीतर ही पकड़ लिया गया।

उन्होंने बताया कि अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (उत्तर) असरा गर्ग के नेतृत्व में 10 टीम गठित की गई हैं। राठौर ने बताया कि अधिकारी मामले की विभिन्न कोणों से जांच तथा हत्या में और लोगों की संभावित संलिप्तता की तलाश कर रहे हैं।

हत्या के पीछे के मकसद के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि विशेष टीम इसकी जांच कर रही है। उन्होंने कहा, इस हत्या के पीछे कोई राजनीतिक कारण नही है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये अधिकतर लोगों के खिलाफ कुछ न कुछ मामले लंबित हैं।

उन्होंने संकेत दिया कि आर्मस्ट्रांग का अंतिम संस्कार रविवार को किया जा सकता है। अधिकारी ने कहा कि आरोपियों को सजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

केरल मानवाधिकार आयोग ने विशेष कतार की मांग को लेकर पद्मनाभस्वामी मंदिर से रिपोर्ट मांगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल राज्य मानवाधिकार आयोग ने शनिवार को राज्य की राजधानी से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग कतार की मांग को लेकर प्रसिद्ध श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर के प्रबंधन से जवाब मांगा है।

आयोग के कार्यवाहक अध्यक्ष और न्यायिक सदस्य के. बैजुनाथ ने यहां के दो निवासियों की शिकायत के आधार पर मामले में हस्तक्षेप किया।

आयोग ने एक बयान में कहा कि उसने इस संबंध में मंदिर के कार्यकारी अधिकारी से 15 दिन में रिपोर्ट देने को कहा है।

शिकायतकर्ताओं ने मांग की है कि श्री पद्मनाभ स्वामी मंदिर में तिरुवनंतपुरम के निवासियों के लिए एक विशेष कतार प्रणाली लागू की जानी चाहिए, जहां विभिन्न राज्यों से हजारों श्रद्धालु आते हैं।

उन्होंने बताया कि त्रिशूर जिले के गुरुवायूर श्री कृष्ण मंदिर और पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के कई अन्य मंदिरों में स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए इसी प्रकार की कतार प्रणाली पहले से ही लागू है।

शिकायतकर्ताओं के हवाले से बयान में कहा गया है कि यदि विशेष कतार प्रणाली लागू हो तो क्या संविधान में उल्लेखित उपासना की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जा सकती है।

भारत के पास सेमीकंडक्टर उद्योग में वैश्विक खिलाड़ी बनने की क्षमता : आईटी सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। भारत के पास सेमीकंडक्टर उद्योग में वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिए प्रतिभा और गहन विशेषज्ञता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव एस कृष्णन ने शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर उद्योग देश के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि सरकार सेमीकंडक्टर बनाने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने में उद्योगों की मदद कर रही है।

कृष्णन ने यहां फैबलेस सेमीकंडक्टर फर्म आईवीपी सेमीकंडक्टर प्राइवेट लिमिटेड के एक कार्यक्रम में यह बात कही। वैश्विक प्रबंधन परामर्श फर्म मैकिन्से ने भविष्यवाणी की है कि दुनिया भर में सेमीकंडक्टर उद्योग का आकार बढ़कर 1,000 अरब डॉलर का हो सकता है। भारत तेजी से इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सबसे बड़े बाजारों में बन रहा है।

कृष्णन ने कहा, ''सेमीकंडक्टर उद्योग देश के लिए महत्वपूर्ण है और भारत में वैश्विक खिलाड़ी बनने के लिए प्रतिभा और गहन विशेषज्ञता है। सरकार सेमीकंडक्टर बनाने के लिए पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने में उद्योग की मदद कर रही है।'' उन्होंने कहा, ''मैं आईवीपी सेमीकंडक्टर को भारतीय फैबलेस चिप कंपनी बनाने के लिए बधाई देना चाहूंगा।'' उन्होंने कहा कि आईवीपी सेमीकंडक्टर प्राइवेट लिमिटेड वेफर फैब में विनिर्माण क्षमता को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्रज्ञाननंदा और गुकेश टाईब्रेकर में हारे, कारुआना ने जीता खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बुखारेस्ट (रोमानिया)। भारत के आर प्रज्ञाननंदा और डी गुकेश को चार खिलाड़ियों के बीच खेले गए टाइब्रेकर में हार का सामना करना पड़ा जिसमें दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी फैबियानो कारुआना ने तीनों रैपिड गेम जीतकर सुपरबेट क्लासिक में अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

कारुआना क्लासिकल प्रारूप में नीदरलैंड के अनीश गिरी से हार गए, जिससे मुकाबला रोचक बन गया क्योंकि गुकेश, प्रज्ञाननंदा और फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा सभी उनकी बराबरी पर पहुंच गए।

प्रज्ञाननंदा मुख्य बाजी में अलीरेजा के सामने एक समय बेहद मुश्किल स्थिति में फंसे हुए थे। यदि फ्रांसीसी खिलाड़ी क्लासिकल दौर की इस बाजी को जीत जाता तो फिर वह कारुआना से आगे निकल जाते और विजेता का फैसला करने के लिए टाइब्रेकर की जरूरत नहीं पड़ती। लेकिन कारुआना हार गए, जबकि गुकेश और प्रज्ञाननंदा ने अपनी अपनी बाजियां ड्रॉ खेली जिससे विजेता का फैसला करने के लिए चार खिलाड़ियों के बीच टाइब्रेकर की स्थिति बन गई।

कारुआना ने दिखाया कि आखिर उन्हें क्यों टाइब्रेकर का मास्टर कहा जाता है। उन्होंने साबित कर दिया कि वे युवा पीढ़ी से बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

अमेरिका के इस खिलाड़ी ने टाइब्रेकर में अपने तीनों प्रतिद्वंदियों गुकेश, प्रज्ञाननंदा और अलीरेजा को हराकर 68500 अमेरिकी डॉलर का पहला पुरस्कार जीता।

इससे पहले प्रज्ञाननंदा टूर्नामेंट में अपनी पहली हार की तरफ बढ़ रहे थे लेकिन अलीरेजा की एक गलती का फायदा उठाकर वह बाजी ड्रा करने में सफल रहे। गुकेश ने वेस्ली सो के साथ अंक बांटकर टाइब्रेकर में खेलने का हक पाया था।

संबोधन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शनिवार को सिनेमेटोग्राफर ो संतोष सिवन ने तमिलनाडु सरकार के एमजीआर फिल्म और टेलीविजन संस्थान द्वारा आयोजित विशेष सेमिनार में संबोधित किया।

केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने तेल कंपनियों की 'स्वच्छता पखवाड़ा' पहल की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड/भाषा। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने शनिवार को कहा कि केंद्र के 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत तेल कंपनियां प्रदूषण कम करने और देश को स्वच्छ रखने के लिए विभिन्न तरीके अपना रही हैं। गोपी ने कहा कि तेल कंपनियों ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत एक से 15 जुलाई तक स्वच्छता पखवाड़ा' पहल के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि गोपी राज्य के इस उत्तरी जिले में एक स्कूल में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा शुरू किए गए अभियान के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

मंत्री ने बताया कि बीपीसीएल ने सेप्टिक टैंकों की सफाई के लिए रोबोट का उपयोग करने वाली एक परियोजना शुरू की है।

गोपी ने छात्रों से आग्रह किया कि वे सुबह के समय कोझिकोड समुद्र तट की सफाई में भी योगदान दें। मंत्री ने कहा कि यह स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत एक बड़ा संदेश होगा।

केनरा बैंक द्वारा हिन्दी प्रशिक्षण

बेंगलूरु। केनरा बैंक द्वारा हिंदी प्रशिक्षण समन्वय समिति, कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, भारतीय रिज़र्व बैंक के तत्वावधान में 4 जुलाई को केनरा बैंक उत्कृष्टता केंद्र, गुरुग्राम में अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में डिजिटल भारत में फिनटेक के प्रसार में भारतीय भाषाओं की भूमिका विषय पर आलेख प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की सचिव सुश्री अंशुली आर्या रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता केनरा बैंक के कार्यपालक निदेशक अशोक चंद्र द्वारा की गई। इस अवसर पर जयकिशन, प्रधानाचार्य, कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, भारतीय रिज़र्व बैंक अरविंद कुमार चतुर्वेदी, महाप्रबंधक, केंद्रीय कार्यालय,

भारतीय रिज़र्व बैंक, धर्मबीर, उप निदेशक, वित्तीय सेवाएं विभाग राजेश कुमार सिंह, मुख्य महा प्रबंधक, केनरा बैंक, अंचल कार्यालय श्रीनाथ जोशी, मुख्य शिक्षण अधिकारी, केनरा बैंक प्रबंधन संस्थान, मणिपाल व बैंक के मुख्य राजभाषा अधिकारी ई रमेश उपस्थित रहे।

सचिव अंशुली आर्या ने अपने संबोधन में कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि आज हम अपना तकनीकी कार्य हिंदी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में करने में सक्षम हैं। केनरा बैंक ने बहुत ही समीचीन विषय पर आज के सम्मेलन का आयोजन किया है। बैंकों द्वारा बैंकिंग सेवाएं हिंदी के साथ-साथ 11 या 12 अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध करवाई जा रही हैं, मुझे उम्मीद है कि आने वाले दिनों में बैंक और अधिक क्षेत्रीय भाषाओं को भी इसमें शामिल करेंगे, जिससे सुदूर प्रांत की जनता को भी बैंकिंग सेवाएं दी जा सकें।

केनरा बैंक के कार्यपालक निदेशक अशोक चंद्र ने अपने वक्तव्य कहा कि बैंक द्वारा ग्राहकों की सुविधानुसार कई डिजिटल प्रोडक्ट बाज़ार में लाए जा रहे हैं। उनके प्रचार-प्रसार और इन डिजिटल प्रोडक्ट्स को लोकप्रिय बनाने के लिए भारतीय भाषाएं कड़ी के रूप में काम कर रही हैं।

वरिष्ठ अफसरों को पुलिस नियमावली के अनुरूप हर थाने का निरीक्षण करना चाहिए : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने शनिवार को कहा कि पुलिस नियमावली के अनुसार पुलिस अधीक्षक (एसपी), पुलिस उपाधीक्षक (डीसीपी) और पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) स्तर के अधिकारियों को अनिवार्य तौर पर अपने क्षेत्राधिकार वाले प्रत्येक पुलिस थाने का निरीक्षण करना चाहिए। बेंगलूरु में 2024 वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि जुआ, सट्टेबाजी और मादक पदार्थों की रोकथाम में विफलता के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

एसपी और आईजी स्तर के अधिकारियों से कहा गया कि अगर वे नियमित रूप से प्रत्येक थाने का दौरा और निरीक्षण करें तो इसे टाला जा सकता है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, एसपी और आईजी को कल से ही थानों का दौरा करना चाहिए। उन्होंने फर्जी खबरों के प्रसार के खिलाफ भी आगाह किया। उन्होंने कहा, फर्जी खबरें समाज में शूल बन गई हैं। ये तेजी से बढ़ रही हैं। हमने इन्हें रोकने के लिए 'फैक्ट चेक' इकाइयां बनाई हैं। हालांकि फर्जी खबरें बढ़ रही हैं। इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को शिकायत दर्ज करने और बिना किसी हिचकिचाहट के सख्त कार्रवाई करने के लिए और अधिक सहज होने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने पिछले एक वर्ष में राज्य में सांप्रदायिक दंगों के बिना कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए गृहमंत्री जी परमेश्वर और कर्नाटक पुलिस को बधाई भी दी।

मुलाकात — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शनिवार को नवनियुक्त जनरल काउंसिल सदस्य इयाल इसाई नाटक मनराम ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन से मुलाकात की।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने अपराधियों से सांठगांठ करने वाले पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रियल एस्टेट डीलरों और अपराधियों से सांठगांठ करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। सिद्दरामैया ने कहा कि पुलिस चाहे तो उसकी नजर से कोई अपराध छुप नहीं सकता और इसलिए वरिष्ठ अधिकारियों को हमेशा आम नागरिकों से बातचीत करके इलाके में हो रही अवैध गतिविधियों के बारे में जानकारी लेनी चाहिए। उन्होंने ''वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सम्मेलन-2024'' का उद्घाटन करने के बाद कहा, पुलिसकर्मियों को रियल एस्टेट डीलरों से सांठगांठ नहीं करनी चाहिए। मैं आपको साफ शब्दों में बता रहा हूं कि अगर हमें इस बारे में पता चला तो हम कड़ी कार्रवाई करेंगे। मादक पदार्थों की तस्करी, गुंडागर्दी, चोरी, डकैती और जुआ स्थानीय पुलिस की जानकारी के बिना नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री ने कहा, संभव नहीं है कि ये चीजें स्थानीय पुलिस की जानकारी के बिना चल सकती हैं। कुछ जगहों पर पुलिसकर्मी ऐसे अपराधियों से जुड़े होते हैं। सिद्दरामैया ने पुलिस और खुफिया अधिकारियों के बीच उचित समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर देते हुए कहा कि उनके बीच इसका अभाव है। उन्होंने जोर दिया कि पुलिसकर्मी राजनीति से दूर रहें और कभी भी अपनी राजनीतिक विचारधारा का प्रदर्शन न करें।

हिन्दू धर्म को नीचा दिखाने का कुत्सित प्रयास बर्दाश्त के बाहर : जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चित्तौड़गढ़/एजेन्सी। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेशाध्यक्ष एवं चित्तौडगढ़ के सांसद सी पी जोशी ने कहा है कि लोकसभा में जिस प्रकार हिन्दू समाज को बदनाम करने और नीचा दिखाने का प्रयास किया जा रहा है, हिन्दू समाज को गालियां दी जा रही हैं, उसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। जोशी शुक्रवार को बड़ी सादड़ी विधानसभा क्षेत्र पहुंचे, जहां कई स्थानों पर भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने लोकसभा चुनाव में मिले सहयोग एवं समर्थन के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

जोशी ने इस दौरान मतदाता सम्मेलन सभा को सम्बोधित करते हुयक कहा कि केन्द्र में लगातार तीसरी बार नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से कांग्रेस में छटपटाहट हो रही है। लोकसभा चुनाव के समय भी कांग्रेस ने जनता को बरगलाने और सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रांतियां फैलाने का काम किया था, लेकिन जनता ने मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री चुना। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के नेता पहले भी हिन्दू आतंकवाद कह चुके हैं। क्या उन्हें यह नहीं पता कि कश्मीर में आतंकवादी घटनायें कौन कर रहा है, संसद में, जयपुर में सोमनाथ में आतंकवादी घटनायें किसने की, घुसपैठियों की तरह देश में आकर कौन विचलित करने का काम कर रहा है। हिन्दू कोई धर्म नहीं, एक विचारधारा है जिसे दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती।

जोशी ने कहा कि राजस्थान में पूर्व की कांग्रेस सरकार ने जनता की तरफ कोई ध्यान नहीं दिया और आखिरी के छह महीनों में ही काम किया, जबकि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने सत्ता में आने के छह महिनों में संकल्प पत्र के 40 से 45 प्रतिशत से अधिक वादों को पूरा करने के साथ ही जनहित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लेने का काम किया।

चमत्कारी बाबा का दरबार पुलिस ने बंद करवाया

भरतपुर/एजेन्सी। उत्तरप्रदेश के हाथरस में भगदड़ कांड हादसे से सबक लेते हुए राजस्थान में भरतपुर जिले में पुलिस ने कथित चमत्कारिक बाबाओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू करते हुए शनिवार को बयाना थाना क्षेत्र के गांव मुर्रकी में एक कथित बाबा के दरबार को बंद करवा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार हनुमान जी से सिद्धि प्राप्ति का झांसा देकर कैंसर जैसी बीमारियों को ठीक करने के लिए गुलाब की पंखुड़ियां और लोंग से इलाज करने वाला मध्य प्रदेश निवासी कथित बाबा अनिल कुमार पिछले डेढ़ महीने से गाँव मे प्रत्येक मंगलवार और शनिवार को दरबार लगा रहा था। दरबार में बयाना, भरतपुर, करौली और अलवर जिले से सैकड़ों लोग उपचार कराने दरबार में आ रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस दरबार की जानकारी के बाद उपखंड अधिकारी राजीव शर्मा के निर्देश पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कथित बाबा को दरबार नहीं लगाने के लिए पाबंद किया। इस बीच बाबा के भक्तों के हलके विरोध का सामना भी पुलिस को करना पड़ा।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की अखंडता के लिये प्राणों की आहूति दी : चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर/एजेन्सी। केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा है कि जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रवादी विचारधारा के पुरोधा थे और उन्होंने देश की एकता अखंडता के लिए अपने प्राणों को आहुति दी, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता।

चौधरी शनिवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के अवसर पर आयोजित 'मतदाता अभिनंदन एवं एक पेड़ माँ के नाम' समारोह के शुभारंभ के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी राष्ट्रवादी विचारधारा के पुरोधा थे। उन्होंने नेहरू मंत्रिमंडल से इस्तीफा देकर नारा दिया कि 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे।' चौधरी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने प्रारंभ में ही अनुच्छेद 370 को देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा बताया था। अजमेर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय पर वृक्षारोपण के बाद चौधरी ने कहा कि प्रकृति में संतुलन एवं वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए एक पेड़ लगाकर उसकी सुरक्षा करें।

समारोह में राज्य देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष एवं भाजपा के प्रदेश महामंत्री ओमप्रकाश भडाणा ने कहा कि डॉ. मुखर्जी भारत की एकता अखंडता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले मानवता के उपासक, हमारे पद प्रदर्शक, भारतीय जनसंघ के संस्थापक और महान शिक्षाविद, प्रखर राष्ट्रवादी विचारक थे। आज इस अवसर पर भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं का संकल्प लेना होगा की हम धर्म, जाति शहरी, ग्रामीण आदि से उपर उठकर राष्ट्र प्रथम का भाव रखें।

भड़ाना ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने से पूर्व अपनी मां के नाम से एक पेड़ लगाकर प्रकृति को नमन किया। पेड़-पौधों के माध्यम से प्रकृति सभी प्राणियों के लिये प्राण वायु उत्सर्जित करके अनंत उपकार करती है।

रोड शो

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला अपनी पत्नी के साथ शनिवार को कोटा में लोकसभा अध्यक्ष के रूप में पुनः निर्वाचित होने पर अपने समर्थकों द्वारा स्वागत किये जाने हेतु रोड शो में शामिल हुए।

विद्युत तंत्र मजबूत करेगी टाटा पावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर/एजेन्सी। राजस्थान में अजमेर शहर में विद्युत आपूर्ति का काम संभाल रही टाटा पावर लिमिटेड शहर के विद्युत तंत्र को मजबूत करने के लिए 30 करोड़ रुपये व्यय करके आधारभूत ढांचा मजबूत करेगी। अजमेर में विद्युत आपूर्ति सेवा के सफलतापूर्वक सात वर्ष पूरा होने के मौके पर शनिवार को टाटा पावर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि 30 करोड़ की राशि से अजमेर शहर का विद्युतीय तंत्र मजबूत करने से उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति सेवाओं में कोई कमी नहीं होने दी जायेगी।

शर्मा ने कहा कि आने वाले समय की बढ़ती हुई बिजली व्यवस्था की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए टाटा पावर अजमेर प्रबंधन इस राशि से जरूरत के अनुसार नए पॉवर ट्रांसफार्मर, नए डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर, 33 केवी लाइन, 11 केवी लाइन एवं एल.टी. लाइन के नेटवर्क का विस्तार करने के साथ मौजूदा नेटवर्क का जरूरी दुरस्तीकरण किया जाएगा । यह योजना दो साल में पूरी कर ली जायेगी। उन्होंने कहा कि टाटा प्रबंधन ने अजमेर शहर के बढ़ते हुए विद्युतीय भार को देखते हुए जरूरत के अनुसार भार क्षमता बढ़ाते हुए विगत सात वर्षों में करीब 606 नए ट्रांसफार्मर लगाए हैं। चार नए जीएसएस पालरा, विजयराज सिंधिया नगर, अजमेर डेयरी और गोल्ड सुक बनाए हैं जिनसे अजमेर शहर के घरेलू और व्यावसायिक ग्राहकों को बिजली आपूर्ति सेवा प्रदान की जाती है।

युवाओं की राष्ट्र विकास में भूमिका सुनिश्चित की जाए : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/वार्ता। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि तकनीकी शिक्षा में मानवीय मूल्यों का समावेश करते हुए युवाओं की राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में भूमिका सुनिश्चित की जाए।

मिश्र शनिवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा के 13वें दीक्षांत समारोह में पीएचडी, एमटेक, एम.आर्क, बीटेक एवं बी.आर्क, एमबीए, एमसीए आदि उपाधियां प्रदान करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ऐसे नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ करें, जो बदले युग के अनुरूप हों और जिनमें युवाओं की अधिक रूचि हो।

दीक्षांत समारोह में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने पर नयांशी जैन को 2022 का कुलाधिपति स्वर्ण पदक जबकि नेहा सुराणा को 2023 का कुलाधिपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। दिव्यांशी यादव को 2022 को कुलपति स्वर्ण पदक एवं गजल लता को 2023 का कुलपति स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। कुल 44 छात्र-छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। विश्वविद्यालय की ओर से कुल 18 हजार 257 उपाधियां प्रदान की गई हैं।

मिश्र ने कहा कि विकसित भारत 2047 की संकल्पना का प्रमुख आधार उच्च एवं तकनीकी शिक्षा है। हमें विश्वविद्यालयों को इस तरह से तैयार करने की जरूरत है कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के उपयोग से भारत फिर से विश्वगुरु बन सके।

अब चलती ट्रेनों में टिकट चेकिंग स्टाफ करेगा प्राथमिक उपचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा/वार्ता। पश्चिम-मध्य रेलवे के कोटा मंडल के यात्री अब चलती यात्रीगाड़ी में टिकट परीक्षक दल के सदस्यों से प्राथमिक उपचार करवा सकेंगे लेकिन इसके लिए 50 रुपए शुल्क देना होगा।

अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि यात्री सुविधा के मद्देनजर मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) मनीष तिवारी के मार्गदर्शन में कोटा मंडल ने चलती ट्रेनों में आपातकालीन परिस्थिति में यात्रियों के प्राथमिक उपचार के लिए एक सकारात्मक पहल की है। अभी तक केवल यात्रियों के लिए प्राथमिक उपचार की व्यवस्था यात्रीगाड़ी के रेल प्रबंधक (गार्ड) एवं स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक के पास उपलब्ध होती थी।

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंडल ने 28 जून को यात्री ट्रेनों के सभी टिकट चेकिंग स्टाफ (टीटीई) को प्राथमिक उपचार किट जारी किए। इस फस्ट एड किट में सामान्य उपचार से संबंधित सभी 13 प्रकार की दवाईयां रेल में टिकट चेकिंग स्टाफ के पास ड्यूटी के दौरान उपलब्ध होगी जिसे चेकिंग स्टाफ को अपने साथ में रखना अनिवार्य है जिसे कोई भी यात्री आपातकालीन परिस्थितियों में शुल्क 50 रूपए देकर प्राथमिक उपचार सुविधा का चलती गाड़ी में ले सकता है।

सूत्रों के अनुसार किसी यात्री को प्राथमिक उपचार की आवश्यकता होने पर चलती ट्रेन के आन ड्यूटी टीटीई से सम्पर्क कर सकता है। तत्पश्चात आनड्यूटी चेकिंग स्टाफ टेलीफोनिक डॉक्टर परामर्श के उपरान्त संबंधित यात्री को दवा उपलब्ध कराएगा।

आवश्यक दवाएं डॉक्टर के परामर्श पर जिस भी यात्री को मेडिकल सहायता के लिए दी जाएगी, उस प्राप्तकर्ता तथा उसे दी गयी दवा का ब्यौरा यात्री का नाम, लिंग, उम्र, पीएनआर, कोच संख्या, बर्थ संख्या, यात्रा स्टेशन का नाम, गंतव्य स्टेशन का नाम एवं परामर्शदाता डॉक्टर का नाम रिकार्ड के दर्ज किया जाएगा।

राजस्थान के अधिकतर हिस्सों में बारिश का दौर जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। राजस्थान में मानसून की सक्रियता के चलते शुक्रवार को भी कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहा। बीकानेर में बारिश जनित हादसे में एक बच्ची सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि टोंक में नाला पार करते समय पानी के बहाव में फंसे तीन युवकों को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

जयपुर मौसम केन्द्र के प्रवक्ता के अनुसार शुक्रवार को जयपुर, टोंक, सवाई माधोपुर, कोटा, चित्तौड़गढ़, झुंझुनूं, अलवर, उदयपुर, जोधपुर सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम दर्जे की बारिश दर्ज की गई।

टोंक में शुक्रवार को तेज बारिश के चलते नदी नाले उफान पर हैं। कई बांधों में जलस्तर उच्चम स्तर पर पहुंच गया।

टोंक के मालपुरा थाना क्षेत्र के नमोकिया गांव में एक ट्रैक्टर पर सवार तीन लोग तेज पानी के बहाव में नाले को पार करते समय फंस गये। पुलिस ने उन्हें सुरक्षित बहार निकाला।

थानाधिकारी चेनाराम ने बताया कि मालपुरा में तेज बारिश के बाद नाले के तेज बहाव में ट्रैक्टर सवार तीन लोग फंस गये थे। पुलिस दल ने पानी के बहाव से उन्हें सुरक्षित निकाल लिया। उन्होंने बताया कि प्रशासन की ओर से दो दिन स्कूलों में एतियातन छुट्टी घोषित की गयी है।

टोंक और उसके आसपास के हिस्सों में पिछले दो दिन में हुई बारिश से बीसलपुर बांध का जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया है।

वहीं, बीकानेर जिले के बीछवाल थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक कारखाने की दीवार ढह जाने से एक बच्ची सहित तीन लोगो की मौत हो गई।

थानाधिकारी नरेश कुमार ने बताया शोभासर क्षेत्र में एक कारखाने की दीवार ढह गई। उसकी चपेट में आने से दो मजदूर और एक बच्चे की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान मध्यप्रदेश निवासी पित्रा, संजय और एक वर्षीय मनीषा के रूप में की गई है।

जयपुर मौसम केन्द्र के अनुसार शुक्रवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान मालपुरा में सबसे अधिक 176 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गयी जबकि सीकर में 53 मिमी, डबोक (उदयपुर) में 40.2 मिमी, करौली में 32.5 मिमी, अलवर में 30 मिमी, कोटा में 26.8 मिमी, वनस्थली में 22.4 मिमी, भीलवाड़ा में 21.4 मिमी, अंता में 18.5 मिमी, जयपुर में 13.5 मिमी और अन्य कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई।

केन्द्र के अनुसार शुक्रवार सुबह से शाम साढ़े पांच बजे तक करौली में 55.5 मिमी, अंता में 28 मिमी, बीकानेर में 21.4 मिमी, कोटा में 17.8 मिमी, जयपुर में 17.6 मिमी, धौलपुर में नौ मिमी और अन्य कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

मौसम केन्द्र ने बताया कि फलोदी और बीकानेर में शुक्रवार को अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस, गंगानगर में 39.8 डिग्री, जैसलमेर में 39.6 डिग्री, जोधपुर में 38.6 डिग्री, बाड़मेर में 39 डिग्री, संगरिया में 38.3 डिग्री और जालौर में 36.4 डिग्री दर्ज किया गया।

राज्य के अधिकतर हिस्सों में बीती रात का तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस से लेकर 23.1 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

मौसम केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार को पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में बारिश की गतिविधियां जारी रहने एवं कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि सात और आठ जुलाई को बारिश में कमी आने के आसार हैं जबकि उत्तर-पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में बारिश हो सकती है। उन्होंने बताया कि नौ-10 जुलाई से पुनः पूर्वी राजस्थान में बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है।

प्रवक्ता के मुताबिक पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर संभाग में दो-तीन दिन दोपहर बाद मेघ गर्जन, आंधी के साथ बारिश होने की संभावना है।

अपराध मुक्त राजस्थान बनाना प्राथमिकता : जवाहर सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह ने कहा कि सरकार आने के बाद अपराध का ग्राफ गिरा है। सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है साइबर फ्रॉड एवं अपराधियों को कठोरता से निपटा जाएगा। गृह राज्यमंत्री शुक्रवार को उदयपुर में डबोक स्थित महाराणा प्रपात हवाई अड्डे पर जनप्रतिनिधियों एवं आमजन से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अपराध मुक्त राजस्थान बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। पेपर लीक गिरोह पर नकेल के लिए स्पेशल टास्क फोर्स गठित की गई है। ऑपरेशन एन्टी वायरस के माध्यम से साइबर अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आधुनिकीकरण के लिए भी कदम उठाए गए हैं।

इससे पूर्व बेढम एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी के डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर विभिन्न समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा गुर्जर समाज के द्वारा गर्म जोशी से स्वागत किया गया।

सांवलिया सेठ और भगवान देवनारायण के किये दर्शन

बेढम ने निवानिया गांव में देवनारायण भगवान के दर्शन किए। विभिन्न समाज के लोगों से चर्चा की। रास्ते में जगह जगह लोगों ने गृह राज्य मंत्री का स्वागत किया। श्री बेढम ने सांवलिया सेठ के दर्शन करके पूजा अर्चना की एवं प्रदेश की खुशहाली के लिए कामना की।

जलदाय विभाग की अभिनव पहल, एक ही दिन में लगाए गए एक लाख पौधे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में जल संरक्षण और हरियाली क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से जलदाय मंत्री कन्हैया लाल के निर्देशन में जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने अभिनव पहल करते हुए पूरे प्रदेश में एक लाख पौधे लगाने का अभियान शुरू किया। जलदाय मंत्री ने जल भवन में पौधारोपण कर इस अभियान की शुरुआत की और जल भवन में 500 पौधे लगाए गए।

अभियान के शुभारंभ पर जलदाय मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों को बचाना जरूरी है। जहां पेड़ बचाए जाते हैं वहां प्रकृति सुरक्षित हो जाती है। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत हमने प्रदेश भर में जलदाय विभाग के सभी कार्यालयों, संस्थाओं, पंप हाउसों में एक ही दिन में एक लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि अत्यधिक जल दोहन, जल की बढ़ती मांग और भूजल के कम रिचार्ज होने के कारण राजस्थान के कई क्षेत्र डार्क जोन में सम्मिलित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सबसे बड़ा संकट जल का होगा और जल को बचाने के प्रयास हमें आज से करने होंगे।

कन्हैयालाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान को सफल बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि हम पेड़ लगाएं और उसे बचाने की जिम्मेदारी भी लें।

जलदाय मंत्री ने इस बार पड़ी भीषण गर्मी के दौरान प्रदेश भर में पानी की सुचारू सप्लाई, अवैध कनेक्शन काटने और पानी के उचित वितरण के लिए अपने विभाग के अधिकारियों, इंजीनियरों, कर्मचारियों का धन्यवाद दिया।

ट्रक ने 60 से अधिक भेड़ों एवं चरवाहे को कुचला

जैसलमेर/भाषा। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक ट्रक ने 60 से अधिक भेड़ों और चरवाहे को कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि शुक्रवार देर रात सागाना इलाके में एक अज्ञात ट्रक ने सड़क से गुजर रहे चरवाहे और भेड़ों को कुचल दिया तथा इस घटना के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। घटना की सूचना मिलने पर देवीकोट पुलिस चौकी से टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने चरवाहे के शव को मुर्दाघर में रखवाया है और मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि चरवाहे की पहचान जैसलमेर निवासी हनीफ खान के रूप में हुई है।

हाथरस में भगदड़ मामले का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। हाथरस में दो जुलाई को मची भगदड़ के मामले में मुख्य आरोपी देवप्रकाश मधुकर को उत्तर प्रदेश पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। हाथरस में भगदड़ की घटना में 121 लोगों की मौत हो गई थी। गिरफ्तारी के बाद मधुकर को शनिवार को एक मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया कि हाल में कुछ राजनीतिक दलों ने मधुकर से संपर्क किया था और उन्हें संदेह है कि स्वयंभू बाबा के कार्यक्रमों को एक राजनीतिक दल द्वारा ''वित्त पोषित'' किया जाता है।

पुलिस के अनुसार, हाथरस में मची भगदड़ के सिलसिले में दो और संदिग्धों – रामप्रकाश शाक्य (61) और संजू यादव (33) को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि एक अदालत ने संजू यादव को भी 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वहीं, शाक्य को रविवार को अदालत में पेश किया जाएगा। हाथरस के पुलिस अधीक्षक (एसपी) निपुण अग्रवाल ने बताया कि मधुकर (42) को हाथरस पुलिस के 'स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप' (एसओजी) ने दिल्ली के नजफगढ़ इलाके से गिरफ्तार कर लिया। अग्रवाल ने बताया कि मधुकर स्वयंभू बाबा सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ ङ्घभोले बाबा के कार्यक्रमों के लिए धन जुटाने का काम करता था और चंदा इकट्ठा करता था।

एसपी ने कहा, ''उनके वित्तीय लेन-देन, धन के लेन-देन और कॉल डिटेल रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है।'' हालांकि, शुक्रवार रात मधुकर के वकील ए पी सिंह ने दावा किया था कि उसने दिल्ली में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने कहा कि मधुकर इलाज के लिए दिल्ली आया था। शनिवार को दोपहर करीब 2.15 बजे मधुकर को पुलिस द्वारा सरकारी अस्पताल के अंदर और आसपास भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मेडिकल जांच के लिए हाथरस के बागला संयुक्त जिला अस्पताल लाया गया। मधुकर ने अपना चेहरा रूमाल से ढका हुआ था और सिर पर साफा बांधा हुआ था। मधुकर उस सत्संग का मुख्य सेवादार था, जहां भगदड़ मची थी। इस घटना के संबंध में हाथरस के सिकंदराराऊ थाने में दर्ज प्राथमिकी में वह एकमात्र नामजद आरोपी है।

एसपी ने कहा, धन एकत्रित करने के संबंध में विस्तृत जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या ऐसे कार्यक्रमों और अन्य संसाधनों को किसी राजनीतिक दल द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है। अब तक की जांच से ऐसा प्रतीत होता है कि कोई राजनीतिक दल अपने राजनीतिक और व्यक्तिगत हितों के लिए इनसे जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, आरोपी देवप्रकाश मधुकर से संबंधित सभी बैंक खातों, चल-अचल संपत्तियों, धन के लेन-देन की जांच की जा रही है, जिसमें आवश्यकतानुसार अन्य एजेंसियों से भी सहायता ली जाएगी। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के बाद आरोपी मधुकर ने बताया कि वह 2010 से एटा जिले में मनरेगा में जूनियर इंजीनियर के पद पर संविदा पर काम कर रहा था। वह वर्षों से (भोले बाबा की) संस्था से जुड़ा है और कार्यक्रम आयोजित कर उसके लिए धन एकत्र करता है। अग्रवाल ने कहा, मधुकर दो जुलाई को फुलराई गांव में सत्संग कार्यक्रम का मुख्य आयोजक था और इस कार्यक्रम की अनुमति भी उसी ने ली थी। इस प्रकार, मधुकर की दो भूमिकाएं सामने आई हैं-मुख्य आयोजक और धन जुटाने वाले के तौर पर। अग्रवाल ने कहा कि आरोपी और उसके निर्देश पर काम करने वाले सेवादार/आयोजन समिति के सदस्य सत्संग पंडाल के आसपास बैरिकेडिंग, प्रवेश द्वार, निकास द्वार, बैठने की व्यवस्था, पार्किंग और अन्य सुविधाओं के लिए ''पूरी तरह जिम्मेदार'' थे।

उन्होंने कहा, मधुकर और अन्य सेवादारों ने पुलिस प्रशासन को कार्यक्रम स्थल के अंदर किसी भी तरह के हस्तक्षेप से रोका। कार्यक्रम स्थल पर उनके सेवादार अलग-अलग वेशभूषा में कमांडो के रूप में सभी व्यवस्थाओं की देखरेख कर रहे थे। एसपी ने कहा, कार्यक्रम स्थल पर किसी भी व्यक्ति को वीडियोग्राफी या फोटोग्राफी करने की अनुमति नहीं थी। इस प्रकार, व्यवस्थाएं ठीक से नहीं की गईं और प्रशासन द्वारा जारी अनुमति पत्र में उल्लिखित कई शर्तों का उल्लंघन करके यातायात व्यवस्था को प्रभावित किया गया। एसओजी के बारे में शनिवार को पुलिस का बयान मधुकर के वकील के इस दावे का खंडन करता है कि उसने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया था।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने मधुकर की गिरफ्तारी में मदद करने वाली सूचना देने वाले को एक लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी। उच्चतम न्यायालय के वकील सिंह ने तीन जुलाई को दावा किया था कि वह प्रवचनकर्ता सूरजपाल उर्फ नारायण साकार हरि उर्फ 'भोले बाबा' का भी प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसके सत्संग में भगदड़ मची थी। वकील ने कहा कि इस घटना के पीछे कुछ ''असामाजिक तत्वों'' का हाथ है। सिंह ने कहा था कि सूरजपाल राज्य प्रशासन और पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं और उन्होंने पूरे मामले की जांच की मांग की है। इस मामले में बृहस्पतिवार तक 'भोले बाबा' के सत्संग की आयोजन समिति की दो महिला सदस्यों सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इस मामले में दो जुलाई को भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या करने का प्रयास), 126 (2) (गलत तरीके से रोकना), 223 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवज्ञा), 238 (साक्ष्यों को मिटाना) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

विरोध दक्षिण भारत राष्ट्रमत

केरल राज्य परिवहन कर्मचारी संघ (बीएमएस) के बैनर तले कर्मचारी शनिवार को तिरुवनंतपुरम में केएसआरटीसी में वेतन का भुगतान न किए जाने के विरोध में राज्य सचिवालय तक मार्च निकालते हुए।

उत्तर प्रदेश सरकार कांवड़ यात्रा में फिर कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाएगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार आगामी कांवड़ यात्रा पर हेलीकॉप्टर से निगरानी रखेगी और कांवड़ियों पर फूल भी बरसाएगी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार राज्य के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने मेरठ, सहारनपुर, अलीगढ़, मुरादाबाद मंडलों के वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों तथा उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। यह बैठक मेरठ मंडलायुक्त सभागार में हुई। कांवड़ यात्रा 22 जुलाई के बाद शुरू होने की उम्मीद है। बयान के अनुसार समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने बताया कि पूरी यात्रा पर हेलीकॉप्टर से निगरानी रखी जाएगी और पिछले वर्षों की तरह श्रद्धालुओं पर फूल भी बरसाए जाएंगे। सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ियों के प्रति अच्छा व्यवहार बनाए रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें सुविधाएं मुहैया कराना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न कराना सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि कांवड़ शिविरों और कांवड़ मार्ग की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए और यात्रा को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाया जाए। मुख्य सचिव ने लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई के अधिकारियों को कांवड़ मार्ग पर पड़ने वाली सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारियों को मार्ग पर बिजली के तारों और खंभों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए, ताकि कोई अप्रिय घटना न घटे। इस दौरे में मुख्य सचिव और डीजीपी ने बाबा औघड़नाथ मंदिर पहुंचकर कांवड़ से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने अधिकारियों से कहा कि स्थानीय लोगों को सूचित कर यात्रा के लिए मार्ग परिवर्तित किया जाए। उन्होंने उनसे कहा कि शिविर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की व्यवस्था की जाए, ताकि खाद्य विषाक्तता जैसी घटनाएं न हों। उन्होंने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि ध्वनि सीमा के अंदर ही संगीत चलाया जाए, आपराधिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए और कोई भी मामला संज्ञान में आने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

खरीददारी दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शनिवार को कोलकाता में जगन्नाथ रथ यात्रा की पूर्व संध्या पर लोग सड़क की एक दुकान से रथ खरीदते हुए।

ईडी ने झारखंड के पूर्व मंत्री आलमगीर आलम, उनसे जुड़े लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले की जांच के तहत झारखंड के पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम, उनके पूर्व निजी सचिव और घरेलू सहायक के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है तथा चार करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति भी कुर्क की है।

संघीय एजेंसी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने चार जुलाई को आलमगीर आलम, उनके पूर्व निजी सचिव संजीव कुमार लाल, लाल की पत्नी रीता लाल और उनके घरेलू सहायक जहांगीर आलम के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अनंतिम कुर्की आदेश जारी किया है। ईडी ने बताया कि कुर्की के तहत दर्ज इन सभी संपत्तियों का कुल मूल्य 4.42 करोड़ रुपये है। एजेंसी ने कहा कि रीता लाल को छोड़कर अन्य आरोपियों के खिलाफ बृहस्पतिवार को रांची में विशेष पीएमएलए अदालत में आरोपपत्र भी दाखिल किया गया। इस मामले में लाल और जहांगीर आलम के अलावा कांग्रेस नेता और पूर्व ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम को भी ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी ने छह मई को संजीव कुमार लाल और जहांगीर आलम के यहां छापेमारी की थी और आलम के नाम पर एक फ्लैट से कुल 32.2 करोड़ रुपये बरामद किए थे।

रेलवे ने कहा कि राहुल गांधी ने की बाहरी ट्रेन चालकों से मुलाकात, रेल यूनियनों ने दिया जवाब

नई दिल्ली/भाषा। ट्रेन चालक संघों ने रेलवे के इस दावे का खंडन किया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन लोको पायलटों से मुलाकात की, जो दिल्ली मंडल से नहीं थे बल्कि बाहर से लाये गये थे।

गांधी ने शुक्रवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लोको पायलटों से मुलाकात की थी, जिसके बाद उत्तर रेलवे (एनआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि गांधी ने जिन लोको पायलटों से मुलाकात की है, वे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन की क्रू लॉबी' (लोको पायलटों के लिए निर्धारित स्थल) से नहीं थे।

दिल्ली मंडल उत्तर रेलवे के अंतर्गत आता है। एनआर के सीपीआरओ दीपक कुमार ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि वे (लोको पायलट) बाहर से लाए गए थे। गांधी स्टेशन ने 'क्रू लॉबी' पहुंचकर कुछ लोको-पायलटों से बात करके उनकी समस्याओं और चुनौतियों के बारे में जानकारी हासिल की थी। विभिन्न लोको पायलट संघों के सदस्य गांधी के साथ लॉबी में मौजूद रहे थे।

हमारी सरकार झारखंड में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध : सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राज्य के युवाओं को उद्यमिता अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया और आश्वासन दिया कि सरकार पूर्ण समर्थन प्रदान करेगी।

सोरेन आर्यभट्ट सभागार में 'फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज' (एफजेसीसीआई) द्वारा आयोजित स्टार्टअप कॉन्क्लेव सृजन' को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा, सरकार राज्य में अधिकतम निवेश और रोजगार सृजन करना चाहती है। हमारी सरकार मौजूदा उद्योगों और जो लोग यहां उद्योग स्थापित करना चाहते हैं उन्हें पूरा समर्थन देगी।

सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही स्टार्टअप नीति तैयार कर चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य स्टार्टअप के मामले में थोड़ा पीछे है, लेकिन सरकार जल्द ही स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाएगी।

अयोध्या में भाजपा को हराकर 'इंडि' गठबंधन ने राम मंदिर आंदोलन को हराया : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि 'इंडि' गठबंधन ने अयोध्या में भाजपा को हराकर राम मंदिर आंदोलन को पराजित कर दिया है जिसे लालकृष्ण आडवाणी ने शुरू किया था। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले चुनाव में भाजपा का गुजरात में भी यही हश्र होगा। गांधी ने कहा कि कांग्रेस को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनौती दी गई है और धमकी दी गई है, लेकिन वह गुजरात में भाजपा और नरेन्द्र मोदी को उसी तरह हराएगी, जिस तरह उन्हें अयोध्या में हराया गया।

गांधी यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। कुछ दिन पहले ही कांग्रेस और भाजपा के बीच गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जीपीसीसी) कार्यालय के बाहर झड़प हुई थी, जब भाजपा के कार्यकर्ता हिंदुओं पर उनकी (गांधी की) टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन करने वहां गए थे। गांधी ने कहा, उन्होंने (भाजपा) हमें धमकाकर और हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाकर हमें चुनौती दी है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सब मिलकर उनकी सरकार को उसी तरह तोड़ देंगे जैसे उन्होंने हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाया है। यह लिखकर ले लीजिए कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव लड़ेगी और नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को गुजरात में हराएगी, जैसा हमने अयोध्या में किया था।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस गुजरात में जीतेगी और इस राज्य से वह एक नई शुरुआत करेगी। गांधी ने उत्तर प्रदेश की फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा की हार को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। अयोध्या फैजाबाद में ही स्थित है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, अयोध्या में भाजपा को हराकर, इंडिया गठबंधन ने राम मंदिर आंदोलन को हरा दिया है, जिसे भाजपा के वरिष्ठ नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने शुरू किया था। मैं जो कह रहा हूं वह बहुत बड़ी बात है...कांग्रेस पार्टी और इंडि गठबंधन ने उन्हें अयोध्या में हराया।

उन्होंने कहा कि ''कांग्रेस गुजरात में भाजपा को हराएगी क्योंकि मोदी के विजन का गुब्बारा फूट चुका है।'' उन्होंने सवाल किया, ''संसद में मैंने प्रधानमंत्री से पूछा कि क्या वह मनुष्य हैं, क्योंकि उन्होंने खुद कहा था कि वह नॉन बायोलॉजिकल' हैं और उनका भगवान से सीधा संबंध है। अगर आप सीधे भगवान से जुड़े हैं, तो अयोध्या में आप कैसे हार गए?'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, प्रधानमंत्री का मानना है कि बाकी सभी लोग जैविक हैं- गुजरात के लोग, गांधीजी, भारत के किसान और मजदूर जैविक हैं, जबकि नरेंद्र मोदी अजैविक हैं...जो व्यक्ति सोचता है कि वह अजैविक है और

देश के लोग जैविक हैं, वह गुजरात के लोगों को कैसे दर्शन दे सकता है, जब वह मजदूरों और हीरा उद्योग में काम करने वालों का दर्द नहीं समझ सकता?''

उन्होंने कहा, ''आपने कभी सोचा भी नहीं होगा कि भाजपा अयोध्या में हार जाएगी या मोदी वाराणसी में मामूली अंतर से जीतेंगे। वे गुजरात में भी उसी तरह पराजित होने जा रहे हैं, जैसे अयोध्या में हुए। आपको बस इतना करना है कि गुजरात के लोगों से कहें कि वे डरें नहीं।'' उन्होंने कहा कि अगर गुजरात के लोग बिना डरे लड़ेंगे तो भाजपा उनके सामने टिक नहीं पाएगी। फैजाबाद से नवनिर्वाचित सांसद अवधेश प्रसाद का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, मोदी अयोध्या से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उनके सर्वेक्षकों ने उन्हें ऐसा न करने की सलाह दी और कहा कि इससे उनकी हार होगी और उनका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा।

गांधी ने कहा, इसीलिए उन्होंने (मोदी) अयोध्या से चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि वाराणसी से चुनाव लड़ा। वाराणसी में हमने कुछ गलतियां कीं, वरना हम उन्हें वहां भी हरा सकते थे। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि अयोध्या के लोग मोदी से इसलिए नाराज हैं, क्योंकि उन्होंने उन्हें उनकी जमीन, दुकानों और घरों के लिए मुआवजा नहीं दिया।

उन्होंने कहा, अयोध्या के सांसद ने मुझे बताया कि अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए जिन किसानों की जमीन ली गई थी, उन्हें आज तक उचित मुआवजा नहीं मिला है। वहां के लोगों को तब गुस्सा आया जब उन्होंने पाया कि राम मंदिर उद्घाटन में एक भी स्थानीय व्यक्ति मौजूद नहीं था। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में अडानी और अंबानी को देखा गया, लेकिन वहां किसी गरीब को आमंत्रित नहीं किया गया। गांधी ने कहा कि कांग्रेस का हाथ' चिह्न हर धर्म में पाया जाता है।

कांग्रेस नेता ने कहा, गुरुनानक, महावीर, बुद्ध की तस्वीरों को देखिए। इस्लाम में भी वे आशीर्वाद के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। भगवान शिव के चित्र देखिए और आपको यह वहां भी मिलेगा। इसका मतलब है डरो मत, डराओ मत। गांधी ने कहा कि भाजपा के विपरीत कांग्रेस में पार्टी कार्यकर्ता अपने नेताओं के समक्ष अपनी राय व्यक्त करने से नहीं डरते हैं और यहां तक कि उनके फैसलों पर सवाल उठाते हैं तथा उनके मुंह पर ही कह देते हैं कि उन्होंने जो किया, वह उन्हें पसंद नहीं आया। उन्होंने कहा, न तो हमारे कार्यकर्ता अपनी बात कहने से डरते हैं, न ही हम उनकी बात सुनने से डरते हैं। भाजपा में पूरी नेतृत्व टीम नरेन्द्र मोदी को पसंद नहीं करती। लेकिन उनमें साहस की कमी है...वे डरे हुए हैं। अगर मोदी जैसा नेता कांग्रेस में होता तो पूरी पार्टी उनके खिलाफ खड़ी होती। लेकिन उनके कार्यकर्ताओं में साहस की कमी है।

कांग्रेस में कमियों पर उन्होंने कहा, एक पार्टी कार्यकर्ता ने बहुत अच्छा कहा कि दो तरह के घोड़े होते हैं-एक दौड़ के लिए और दूसरा शादियों में इस्तेमाल होने वाले। कभी-कभी कांग्रेस शादियों में दौड़ के लिए इस्तेमाल होने वाले घोड़ों को इस्तेमाल करती है, और कभी-कभी शादियों में इस्तेमाल होने वाले घोड़ों को। उन्होंने मुझसे इसे रोकने के लिए कहा... हमें गुजरात में ऐसा करना होगा। गांधी ने कहा कि पार्टी ने गुजरात में 2022 का विधानसभा चुनाव ठीक से नहीं लड़ा और 2017 में केवल तीन महीने के प्रचार अभियान में कांग्रेस जीत के करीब पहुंच गई। उन्होंने कहा, तीन साल में हम जीत की रेखा को बहुत पीछे छोड़ देंगे। अगर 50 प्रतिशत पार्टी कार्यकर्ता जो मानते हैं कि हम 30 साल बाद भाजपा को हरा सकते हैं, उन 50 प्रतिशत लोगों का मन बदल दें जो ऐसा नहीं मानते, तो हम यहां सरकार बनाएंगे...।

सीबीआई ने रिश्वत मामले में गुंतकल मंडल रेल प्रबंधक समेत पांच अधिकारियों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने निविदाओं में लाभ पहुंचाने के लिए 11 लाख रुपये की कथित रिश्वतखोरी के मामले में दक्षिण मध्य रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) और पांच अन्य अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गुंतकल मंडल के डीआरएम विनीत सिंह के अलावा जांच एजेंसी ने वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक (डीएफएम) कुंडा प्रदीप बाबू, वरिष्ठ मंडल अभियंता (डीईएन) समन्वय यू अक्की रेड्डी, कार्यालय अधीक्षक एम बालाजी और लेखा सहायक डी लक्ष्मी पति राजू को गिरफ्तार किया है।

बेंगलूरु स्थित कंपनी सी एन आर प्रोजेक्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक कुप्पम रमेशकुमार रेड्डी और हैदराबाद स्थित बिचौलिए एन रहमतुल्ला को भी सीबीआई ने हिरासत में लिया। जांच के तहत सीबीआई ने गुंतकल, अनंतपुर, नेल्लोर, तिरुपति, हैदराबाद, सिकंदराबाद और बेंगलूरु में छापेमारी की, जिसमें कई दस्तावेज और डिजिटल उपकरण बरामद हुए। मामले में जांच जारी है। संघीय जांच एजेंसी ने दक्षिण मध्य रेलवे के गुंतकल मंडल में निविदाएं आवंटित करने में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के लिए गिरफ्तार किए गए सात लोगों सहित 13 व्यक्तियों और कंपनी सी एन आर प्रोजेक्ट्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि अधिकारियों ने विभिन्न निविदाएं आवंटित करने, आवंटित कार्यों के निष्पादन और बिल को शीघ्र मंजूरी के संबंध में कथित रूप से अनुचित लाभ प्राप्त किया।

सीबीआई प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी लोक सेवक अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न निविदाएं देने तथा ठेकेदारों के बढ़े हुए बिल का भुगतान करने में भ्रष्ट आचरण में लिप्त रहे हैं, जिससे उन्हें गलत लाभ हुआ तथा सरकारी खजाने को गलत नुकसान हुआ। उन्होंने बताया कि यह भी आरोप है कि डीआरएम विनीत सिंह ने निविदा की कुल राशि का 0.5 प्रतिशत सोने के आभूषण के रूप में अवैध रिश्वत की मांग की थी।

सुविचार

सफलता प्राप्त करने के लिए संघर्ष तो करना ही होगा, एक मुकाम तक पहुँचने के लिए ज़िंदगी के रण में उतरना ही होगा।

ट्वीट

जो सीखने की वृति से काम करता है, उसके लिए सीखने के बहुत अवसर होते हैं। जो शिकायत में जीना चाहता है, उसके लिए भी शिकायतों की कमी नहीं होती है। दुनिया के समृद्ध से समृद्ध देश भी उत्तम से उत्तम सुविधाओं के साथ आए हुए लोग भी शायद शिकायत करते हुए नजर आएंगे।

-दीया कुमारी

आभूषण उद्योग का राजस्थान हृदय है। एक जिला एक उत्पाद' योजना के तहत जयपुर को रत्न आभूषणों के लिए चिह्नित किया गया है। जयपुर नगर को, नगरों की पटरानी कहा गया था। जयपुर की ज्वैलरी और स्टोन, इस पटरानी की शोभा को और बढ़ाते हैं। जयपुर के अलावा कहीं और जौहरी बाजार नहीं है। राजस्थान को यह पहचान कुशल कारीगरों ने दिलाई है।

-भजनलाल शर्मा

कहानी

लालच

सुधीर केवलिया

फोन नं. 9413279217

मैं अपने में ही खोया हुआ ट्रेन की खिड़की के बंद कांच से बाहर का मंजर देखने लगा। लेकिन मेरा मन और दिमाग कहीं दूसरी ओर था। पिछले दिनों हुई घटनाओं से मुझे बहुत गहरा धक्का लगा था। यह घटना मुझे उम्र भर चुभती रहेगी। एक पुत्र ने रुपयों के लालच और कुंठित मानसिकता की अपनी हरकतों से अपने पिता को आहत किया था। उस पुत्र के चेहरे पर लगे मुखौटे के पीछे का घिनोना चेहरा सामने आ गया था। उसके लिए खून के रिश्ते, परिवार और समाज सब बंजर और महत्वहीन हो गए थे। पीछे छूटते हुए गांव और कस्बे देखते हुए मेरे दिमाग में इसी तरह के कई विचार आ और जा रहे थे।

पिछले कई दिनों से हो रही बारिश के बाद छाए कोहरे से सर्दी का असर कम होने का नाम नहीं ले रहा था। सुबह से सभी लोग आसमान से बादलों के रवाना होने और धूप खिलने से राहत की उम्मीद लगाए बैठे थे। मुझे अपने बाबूजी के निधन के बाद उनकी अस्थियां गंगा नदी में प्रवाहित करने के लिए दोपहर वाली ट्रेन से हरिद्वार के लिए रवाना होना था। अन्य सामाजिक और धार्मिक कार्य करने के लिए मेरा जुड़वा भाई अमर यहीं पर था।

हमारे घर के आंगन में दीवार के सहारे मेज पर बाबूजी की एक तस्वीर रखी हुई थी।सुबह से ही बाबूजी की तस्वीर पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए परिवारजन, पड़ोसी, मित्र और नाते-रिश्तेदार आ रहे थे। आंगन में पसरी खामोशी में बाहर फिर से तेज हुई बारिश की गिरती बूंदों की आवाज सुनाई दे रही थी। वहां मौजूद सभी चेहरे बाबूजी की तस्वीर को देख रहे थे। मैं भी उनमें शामिल था। मैं अपनी हताश और पराजित नजरों से देखते हुए जानता था कि तस्वीर में बाबूजी की हल्की मुस्कान के पीछे पीड़ा के असंख्य अदृश्य कण जगमगा रहे थे।

बारिश रुकने के बाद मैं बाबूजी की अस्थियों का कलश लेकर स्टेशन चला गया। स्टेशन पर ट्रेन प्लेटफार्म पर लग चुकी थी। नियत समय पर ट्रेन रवाना हो गई। कुछ ही समय में ट्रेन शहर को पीछे छोड़कर छोटे-छोटे गांव और कस्बों से होकर अपनी मंजिल की ओर दौड़ रही थी। मैं भी अपने ख्यालों के साथ दौड़ रहा था। डिब्बे में बैठे सहयात्रियों से कुछ देर बातचीत करने के बाद मैं अपने में ही खोया हुआ ट्रेन की खिड़की के बंद कांच से बाहर का मंजर देखने लगा। लेकिन मेरा मन और दिमाग कहीं दूसरी ओर था। पिछले दिनों हुई घटनाओं से मुझे बहुत गहरा धक्का लगा था। यह घटना मुझे उम्र भर चुभती रहेगी। एक पुत्र ने रुपयों के लालच और कुंठित मानसिकता की अपनी हरकतों से अपने पिता को आहत किया था। उस पुत्र के चेहरे पर लगे मुखौटे के पीछे का घिनोना चेहरा सामने आ गया था। उसके लिए खून के रिश्ते, परिवार और समाज सब बंजर और महत्वहीन हो गए थे। पीछे छूटते हुए गांव और कस्बे देखते हुए मेरे दिमाग में इसी तरह के कई विचार आ और जा रहे थे।

ट्रेन एक कस्बे के स्टेशन पर रुकी। इस स्टेशन के बाहर से हमारे गांव जाने के लिए बस या टैक्सी पकड़नी पड़ती है। मैं दस दिन पहले ही बाबूजी के साथ हमारे गांव गया था। मुझे कस्बे से गांव का रास्ता, वहां की मिट्टी की खुशबू, हल्की बारिश और ठंडी हवा सब कुछ याद था। बाबूजी के साथ वह यात्रा मेरी याद में एक अलग रोशनी में हमेशा ताजातरीन बनी रहेगी। बाबूजी के निधन से मेरे जीवन में भूचाल आ गया था। मैं खुद को अकेला महसूस करने लगा था। मेरे अकेलेपन ने मुझमें अजीब सी कशमकश का तूफान पैदा कर दिया था। मैं खुद को भीतर और बाहर से बुरी तरह से हताश और टूटा हुआ महसूस कर रहा था। अचानक बाबूजी की तस्वीर मेरी आंखों के सामने आई और मैं यादों के गलियारों में चला गया।

बाबूजी के बचपन में ही उनके माता-पिता का निधन हो गया था। अपने परिवार का गुजर बसर करने के लिए उन्होने बहुत पापड़ बेले थे।गांव में भूख और गरीबी में काटे समय के बावजूद उन्होने अपने छोटे भाई-बहनों की पढ़ाई से लेकर विवाह तक का जिम्मा निभाया। हालात की वजह से वे खुद अल्पशिक्षित रहे। लेकिन उनके हुनरमंद हाथों ने पढ़ाई की कमी को मात दे दी थी। बाबूजी कपड़े बहुत सुन्दर सिला करते थे। कपड़े की कटिंग में तो मानो उनको महारथ हासिल थी। गांव में उनकी टेलरिंग की दुकान काफी मशहूर थी। दूर गांव और कस्बे से लोग उनसे कपड़े सिलवाने आया करते थे। धीरे-धीरे रुपये जमा करने के बाद उन्होने पास के शहर में आकर अपनी दुकान खोल ली। यहां पर उनका काम अच्छा चल पड़ा। गुजरते समय के साथ कमाई के बचाए गए रुपयों से पहले गांव में खेती की जमीन खरीदी। अपने पुश्तैनी गांव में जमीन खरीदकर वे बहुत खुश थे। कुछ सालों बाद उन्होने शहर वाला मकान खरीदा। अपने व्यवहार और कार्यकुशलता से बाबूजी ने बहुत नाम कमाया। उनसे बात करने पर उदास से उदास चेहरे पर भी मुस्कान आ जाती थी।

हमारी मां की पांच वर्ष पहले हुई मृत्यु के बाद बाबूजी अक्सर बेचैन रहने लगे थे। मां के बिछुड़ने का सदमा उनके दिलोदिमाग पर छा गया था। उनका शरीर जीर्ण होने लगा था। अपना टेलरिंग का काम बंद कर वे अधिकतर समय घर पर पोते-पोतियों के साथ बिताते थे। बच्चे भी अपने दादाजी के साथ खुश रहते थे। घर में सभी तरह की लग्जरी सुविधाएं होने के बाद भी बाबूजी सादा और सामान्य जीवन जीते थे। हमारी मां भी अपने पास सब कुछ होते हुए भी दुनिया की तड़क-भड़क से हमेशा दूर रही थी। बाबूजी ने हम दोनों भाइयों को अपना काम सिखाने की बजाय उच्च शिक्षा दिलाने की पूरी कोशिश करी थी। दुर्भाग्य से अमर दसवीं कक्षा भी पास नहीं कर सका। मैं मनोविज्ञान विषय में पी एच डी करने के बाद स्थानीय गवर्नमेंट कॉलेज में लेक्चरर बन गया। मेरे और अमर के जुड़वा होने के बावजूद हम दोनों के व्यक्तित्व में कोई समानता नहीं है।

बाबूजी की पूंजी लगाकर उनकी दुकान पर अमर ने कई तरह के बिजनेस किए। लेकिन उनमें सफलता उससे कोसों दूर रही। उसने यह कभी जानने और समझने की कोशिश ही नहीं करी कि वह बार-बार किन कारणों से असफल हो रहा था। अमर बिना ज्यादा मेहनत किए बहुत कुछ करना और बनना चाहता था। बाबूजी उसे बहुत समझाते थे कि जोड़तोड़ वाले रास्ते पर चलकर अंततः सुख कभी हासिल नहीं किया जा सकता। अमर झूठ बोलने से भी नहीं चूकता था। वह हमेशा अपने झूठ और सच के आभासों में ही उलझा हुआ रहता था। बाबूजी को इस बात की भी चिंता रहती थी कि कहीं अमर के किसी गलत कदम या फैसले का खमियाजा पूरे परिवार को भुगतना पड़ जाए? अमर के तीन पुत्रियों का पिता होने से उसमें आर्थिक असुरक्षा की भावना आ गई थी।

पिछले वर्ष ही किसी बैंक से बिजनेस लोन लेने के लिए बाबूजी से दुकान का किरायानामा अपने नाम लिखवाकर अमर उन्हे हस्ताक्षर करने के लिए सब रजिस्ट्रार ऑफिस लेकर गया था। हमेशा की तरह वह बिजनेस भी नहीं चला। गांव की जमीन की खेती से आने वाले रुपये बाबूजी घर पर खर्च करने के साथ बचत भी करते थे। उन्होने पिछले कई वर्षों से खेत की देखभाल के जिम्मा अमर को सौंपा हुआ था। वही फसल का हिसाब-किताब संभालता था। अमर को खर्च के लिए बाबूजी ही रुपये देते थे।

बाबूजी के बार-बार कहने के बावजूद भी अमर गांव में खेत की इस पैदावर को संभालने नहीं जा रहा था। हर बार वह कोई नया बहाना बनाकर टाल देता। बाबूजी ने थक हारकर मुझे गांव चलने के लिए कहा। दस दिन पहले बाबूजी अमर को बिना बताए मुझे सुबह अपने साथ गांव ले गए। मैं लम्बे समय बाद गांव जा रहा था। उस दिन आसमान साफ था। मैंने चलती ट्रेन की खिड़की के बंद कांच से बाहर देखा तो धरती पीली धूप से नहाकर सुनहरी लग रही थी। खेतों में दूर-दूर तक लहलहाती फसलें मानो सोना बिखेर रही थी। बाबूजी खिड़की के बंद कांच से बाहर नजरें जमाए हुए थे। गांव जाने की खुशी उनकी आंखों में झलक रही थी। कस्बे के स्टेशन पर दोपहर से पहले पहुंचकर एक टैक्सी में हम गांव की ओर चल दिए थे।

कस्बे से गांव की ओर जाने वाली सड़क के दोनों ओर हरे-भरे पेड़, दूर-दूर तक लहलहाती फसलें, गांव की ओर बहती नहर, उड़ते हुए पक्षियों की आवाज के साथ एक सुन्दर दृश्य दिख रहा था। कुछ ही देर बाद हम गांव पहुंच गए। कई वर्षों से आंशिक सूखा पड़ने से बहुत से लोग गांव से पलायन कर गए थे। कई खेतों की जमीनों पर फैक्ट्रीज बनी हुई थी। यह सब देखकर बाबूजी को बहुत दुःख हुआ। बाबूजी का हमउम्र वहां नहीं होने के कारण उन्हे कोई नहीं जानता था। मैं भी गांव के लोगों के लिए अनजान सा ही था।

अपने खेत पर पहुंचने पर वहां बनी एक बड़ी फैक्ट्री देखकर हम हैरान रह गए। बाबूजी के सिर पर तनाव आसमान की तरह तन गया। वे चुप रहे। फैक्ट्री के दरवाजे पर खड़े व्यक्ति को अपना परिचय देने पर वह हमें अंदर ले गया। अंदर ऑफिस में बैठे दूसरे व्यक्ति से मिलने पर उसने हमारे आने का उद्देश्य पूछा। हमारा उद्देश्य जानने के बाद वह कहने लगा बाबूजी आप आए तो उसी जमीन पर हो। लेकिन एक वर्ष पहले अमर नाम के व्यक्ति से यह जमीन मैंने खरीद ली है। अमर को यह जमीन उसके पिता ने दी थी। इस जमीन से संबंधित सभी कागजात सब रजिस्ट्रार ऑफिस में रजिस्टर्ड हैं। अमर ने वे कागजात मुझे दे दिए हैं। यह सारी कार्रवाई उसके एक वकील मित्र ने कराई थी। यहां खेती कम होने के कारण मैंने यह फैक्ट्री लगा ली। मैं रहता शहर में हूं। रोज सुबह मैं यहां आता हूं और शाम को वापिस शहर चला जाता हूं। यहां काम करने वाले ज्यादातर लोग शहर से ही आते हैं। रात को यहां चौकीदार रहता है। उस व्यक्ति ने पूरे विश्वास के साथ यह बात कही थी।

कुछ देर बाद नम आंखों और लड़खड़ाती जुबान से बाबूजी ने उस व्यक्ति से पूछा क्या कहा? इस जमीन के मालिक तुम हो? यह सुनकर वह व्यक्ति, जो खुद अब इस फैक्ट्री का मालिक था, बाबूजी को जमीन के रजिस्टर्ड कागजात की फ़ोटो कॉपी दिखाने लगा। उन कागजात को देखकर साफ पता चल गया कि एक साल पहले अमर ने बाबूजी को सब रजिस्ट्रार ऑफिस ले जाकर दुकान के किराएनामे की बजाए खेत की जमीन के कागज पर हस्ताक्षर करवाकर अपने नाम करा ली थी। बाबूजी को पता नहीं था कि उन्होने किन कागज पर हस्ताक्षर किए थे। अमर ने धोखे से यह जमीन अपने नाम करा ली थी। जमीन के कागज की फोटो कॉपी देखकर बाबूजी की स्थिति पिंजरे में बंद फड़फड़ाते पक्षी की तरह हो गई थी। उनकी आंखों से आंसू टपकने लगे। दो बूंदें टपककर उन कागजों पर भी उतर आईं।

यह सब जानकर हमारे पैरों के नीचे से जमीन खिसक गई। मैं और बाबूजी ठगे-लूटे से एक दूसरे को चेहरा देखते रह गए। खेत का मालिक बदल गया था। उसके कहे शब्द हमारे सिर पर हथोड़े की तरह वार करने लगे। बाबूजी की आंखों में सूनापन छा गया। उस कमरे की खिड़की से बाहर खेत की जमीन को देखते हुए सर्दी में भी बाबूजी के माथे पर से पसीने की बूंदे टपकने लगीं। उम्र के अब तक के इस पड़ाव तक अपने जीवन की सफल पारी खेल चुके बाबूजी के व्यक्तित्व, अहसास, विश्वास और स्वाभिमान को उनके ही पुत्र अमर ने नोच डाला था। हम दोनों ने किसी तरह अपने को संभाला। फैक्ट्री से बाहर आकर बाबूजी का जमीन को देखते हुए अपनी भावनाओं को दबाकर रखना नामुमकिन सा हो गया था। एक कटी पतंग की तरह जमीन पर बैठकर वे अपनी बेबसी पर फूट-फूट कर रोने लगे। हालातों ने उन्हे ठग लिया था। जिसका दर्द शूल की तरह उनके दिल में चुभ रहा था। मैंने बड़ी मुश्किल से उन्हे शांत किया। मेरी ओर देखकर मुझसे पूछने लगे अमर की परवरिश में उनसे कहां गलती हुई? मैं उनकी आवाज में छिपी वेदना को पढ़ पा रहा था।

मैं बाबूजी को टैक्सी में बैठाकर कस्बे के स्टेशन की ओर रवाना हो गया। टैक्सी में बैठे हुए बाबूजी बार-बार पीछे मुड़कर देख रहे थे। दूर छूटते गांव में शायद उन्हे अभी भी कभी अपने रहे खेत की धुंधली होती आकृति नजर आ रही थी। ट्रेन के डिब्बे में बाबूजी शांत बैठे थे। अमर की इस हरकत ने पूरे परिवार में तूफान सा बरपा दिया था। बाबूजी ने मुझे अमर की इस हरकत का जिक्र किसी से भी नहीं करने की कसम दी थी। यह बात लोगों को पता चलने पर बाबूजी को कितनी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता मुझे इसका अंदाजा था।

स्टेशन से जब हम घर पहुंचे बारिश हो रही थी। बाबूजी टैक्सी से उतरकर लड़खड़ाते हुए बड़ी मुश्किल से घर के अंदर आए। वे घर में किसी से भी आंख मिलाने से कतरा रहे थे। अपने कमरे में थके कदमों और बोझिल मन से जाकर मानो बिना आत्मा का शरीर लिए पलंग पर लेट गए। कुछ देर बाद पूरी बेशर्मी के साथ अमर बाबूजी के कमरे में आया। कमरे में मैं, बाबूजी और अमर थे। उन्होने अमर को बहुत भला बुरा कहा। परन्तु इसका उस पर कोई असर नहीं था। बाबूजी अमर से कहने लगे तूने मुझे जो जख्म दिए हैं वो मैं अपने साथ लेकर दुनिया से जाऊंगा। तू एक बार हमें कहता तो हम दोनों खेत वाली जमीन के कागजों पर तेरे नाम पर बिना सोचे हस्ताक्षर कर देते। लेकिन तूने तो मेरा भरोसा ही तोड़ दिया। ऐसा करके तूने मुझे जीते जी मार डाला। भगवान का शुक्र है कि यह दिन देखने के लिए तेरी मां ज़िन्दा नहीं है। ये कहते-कहते बाबूजी हिचकियाँ लेते हुए रोने लगे। उनका गला बैठ गया था। मैंने उनको पानी पिलाने के लिए गिलास उनके मुंह के पास किया। बाबूजी पानी का एक घूंट पीने से पहले बेहोश हो गए। डॉक्टर को बुलाकर उन्हें दिखाया।

डॉक्टर ने बताया कि बाबूजी को कोई गहरा सदमा लगा था। बाबूजी के जीवन के लिए आने वाले चौबीस घंटे बहुत महत्वपूर्ण थे। इसके बाद ही कुछ कहा जा सकता था। घर के सदस्य एक-एक कर अपने कमरे में जाकर सो गए। मैं बाबूजी के पलंग के पास कुर्सी पर बैठा था। रात को पल भर के लिए अपनी आंखें मूंदते ही मुझे कब नींद आ गई पता ही नहीं चला। बाबूजी के पलंग पर हुई हलचल की आवाज से मेरी नींद खुली। बाबूजी के शरीर में कुछ पलों में ही वह हलचल बंद हो गई थी। डॉक्टर ने आकर उनकी नब्ज देखकर बताया कि बाबूजी का निधन हो चुका था। बाबूजी के हाथ को अपने हाथ से पकड़े हुए मेरी आंखों से आंसू झरने लगे थे।

अचानक मेरी नींद खुली और खिड़की के कांच से बाहर झांका। थोड़ी देर पहले ही दिन रात की गिरफ्त से छूटा था। सहयात्री नींद में थे। मैं दौड़ती ट्रेन से बाहर ठहरी हुई ज़िंदगी को देख रहा था। मेरे और अमर के बीच खामोशी का रिश्ता कायम था। उस रिश्ते की अदृश्य डोर के एक सिरे पर लालच था और दूसरे सिरे पर भरोसा।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

दो ध्रुवों के बीच

इन दिनों घर पर अकेला हूँ। वॉशिंग मशीन के बजाय हाथ से कपड़े धोने को सदा प्राथमिकता देता रहा हूँ। कपड़े भी दो-चार ही हैं, सो आज भी यही सुविधाजनक लगा।

कपड़ों पर साबुन लगाया। नल हल्का-सा चलाकर कपड़े उसके नीचे डाले। देखता हूँ कि साबुन के झाग से कुछ बुलबुले उठते हैं, कुछ देर पानी पर सवारी करते हैं। कोई जल्दी तो कोई देर से पर फूटता हरेक है।

विशेष बात यह कि इस पूरे दृश्य का चित्र सामने की दीवार पर बन रहा है। इसका कारण यह है कि बाथरूम के दरवाज़े के सामने वॉश बेसिन है। बेसिन पर एक बल्ब लगा है, जिसके कारण बुलबुलों के जन्म और आगे की यात्रा का छायाचित्र दीवार पर बहुत बड़ा होकर दिख रहा है। इस दृश्य के साथ मानस में चिंतन भी विस्तार पा रहा है।

चिंतन बताता है कि विसर्जन है, तभी सृजन है। पुरानी इमारतें कभी टूटती ही नहीं तो अधुनातन सुविधाओं वाली गगनचुंबी अट्टालिकाएँ कैसे बनतीं? जो राजा मानव प्रजाति के आरंभ में होता, सदा वही राजा बना रहता। महान डॉन ब्रैडमैन आज भी क्रिकेट खेल रहे होते। जन्म हरेक पाता पर मृत्यु किसी की नहीं होती। इसके चलते धरती पर संसाधन कम पड़ने लगते। लोग एक दूसरे के प्राणों के ही शत्रु हो जाते।

सार यह कि यह मर्त्यलोक है। इसमें विनाश है तभी जीवन की आस है। अनेक ज्ञानी-ध्यानी कहते हैं कि जीवन क्षणभंगुर है। मैं विनम्रता से कहता हूँ, सिक्का पलट दो ..., तुम पाओगे कि क्षणभंगुरता में ही जीवन है।

वस्तुत: क्षणभंगुरता वरदान है जीवन के लिए। हर क्षण को जीने का दर्शन है क्षणभंगुरता। समय की सत्ता है क्षणभंगुरता।

वन विभाग के एक अधिकारी मित्र ने एक बार निजी बातचीत में एक सत्य घटना सुनाई थी। मुख्यालय से उनके उच्चाधिकारी आए हुए थे। उच्चाधिकारी अपने इस अधीनस्थ के साथ वनक्षेत्र के निरीक्षण के लिए निकले। रास्ते में विशाल बरगद के नीचे एक औघड़ बैठे थे। पास के गाँव के कुछ ग्रामीण अपना भविष्य जानने की आस में उन्हें घेरे हुए थे। उच्चाधिकारी को जाने क्या सूझा! कुछ व्यंग्य से आदेशात्मक स्वर में औघड़ से बोले, इन गाँववालों को क्या भविष्य बताता है। बता सकता है तो मेरा भविष्य बता। औघड़ गंभीरता से बोला, तेरा क्या भविष्य बताना। तेरे पास अब तीन दिन ही बचे हैं। उच्चाधिकारी आग-बबूला हो गए। औघड़ को अपशब्द कहे और आगे निकल गए।

संयोग कहें या विधि का लेखा, औघड़वाणी सत्य सिद्ध हुई और उच्चाधिकारी तीन दिन बाद सचमुच चल बसे।

मेरे मित्र ने यह घटना अपनी पत्नी को बताई। उसकी पत्नी ने तुरंत औघड़ बाबा से मिलने की इच्छा व्यक्त की ताकि पूरे परिवार का भविष्य पूछा जा सके। मित्र ने इंकार करते हुए कि जीवन में जो घटना होगा, अपने समय पर घटेगा। उसे पहले से जान लिया तो जीवन जीना ही असंभव हो जाएगा। बाद में औघड़बाबा से मिलने से बचने के लिए उन्होंने अन्य क्षेत्र में स्थानांतरण ले लिया।

कबीर ने लिखा है,

'पाणी केरा बुदबुदा, अस मानुस की जात।

एक दिना छिप जाएगा,ज्यों तारा परभात।।

आयु का बुलबुला कब फूट जाए, कोई नहीं जानता। अत: हर क्षण जिएँ, क्षणभंगुरता का आनंद उठाएँ। स्मरण रहे, क्षण-क्षण जीवन है, हर क्षण में एक जीवन है।...इति।

बोध कथा

ईश्वर का दोस्त

प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते है ।

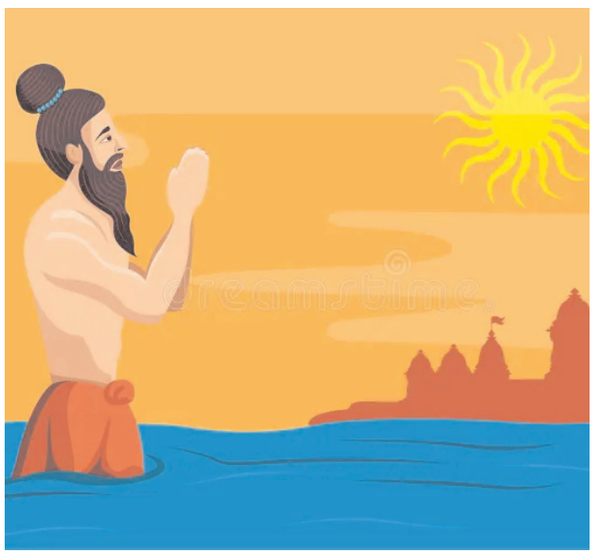

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा, 'यह उन लोगों की सूची है, जो प्रभु से प्रेम करते हैं।' संत ने कहा, 'मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा।' देवदूत बोला, 'नहीं, इसमें आप का नाम नहीं है।' संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा, 'इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं।

उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं।' तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा, 'लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है।' दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा, 'अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए।'

देवदूत ने कहा, 'आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए, लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है।' संत ने कहा, 'तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो?' देवदूत बोला, 'इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है।' यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले, 'क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है।' देवदूत ने कहा, 'नहीं, यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं, लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं। प्रभु उसको प्रेम नहीं करते जो दिन रात कुछ पाने के लिए प्रभु का गुणगान करते रहते है ।'

वीर गाथा

फ्लाइट ले. सुहास बिस्वास: आग की लपटों से घिरा विमान, सूझबूझ से बचाई कई लोगों की जान

फ्लाइट लेफ्टिनेंट सुहास बिस्वास का जन्म 9 सितंबर, 1924 को कोलकाता में हुआ था। उनकी माता का नाम डायना बिस्वास और पिता का नाम सैमुअल बिस्वास था। वे अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद साल 1944 में बतौर पायलट वायुसेना में भर्ती हुए थे।

सुहास ने अपने सेवाकाल में विभिन्न उत्तरदायित्व निभाते हुए यह सिद्ध किया कि वे बहुत काबिल और मेहनत अधिकारी हैं। वे साल 1952 में लखनऊ में संचार उड़ान इकाई में कार्यरत थे।

3 फरवरी, 1952 को कुछ वरिष्ठ सैन्य अधिकारी अपनी आधिकारिक यात्रा के बाद दिल्ली लौट रहे थे। उनके विमान का नियंत्रण सुहास को सौंपा गया था। जब विमान ने उड़ान भरी तो उसमें सबकुछ ठीक था, लेकिन कुछ समय बाद चालक दल के एक सदस्य को उसमें खराबी महसूस हुई।

विमान को सुरक्षित रखने की कोशिश कर ही रहे थे कि उसमें अचानक आग लग गई। आसमान में सैकड़ों फीट की ऊंचाई पर आग लगने के बाद विमान को उड़ाना संभव नहीं था। वहीं, नीचे लोगों के घर, दुकानें और दूसरी इमारतें थीं।

अगर विमान वहीं नीचे गिरता तो जन-धन की बहुत बड़ी हानि हो सकती थी। इस बात को ध्यान में रखते हुए सुहास ने विमान को नियंत्रित करने की खूब कोशिशें कीं। जब उन्होंने महसूस किया कि विमान को किसी ऐसी जगह उतारना चाहिए, जहां कोई बसावट न हो, तो वे उसे एक खाली जमीन ओर ले गए। वहां उन्होंने विमान की 'बेली लैंडिंग' करवा दी। इस तरह उन्होंने अपने उच्चाधिकारियों के अलावा देश के कई नागरिकों की जान बचाई।

इस बहादुरी और सूझबूझ के लिए फ्लाइट लेफ्टिनेंट सुहास बिस्वास को अशोक चक्र से सम्मानित किया गया। देश के ये बहादुर पायलट और बड़े कीर्तिमान रचते, लेकिन 1 सितंबर, 1957 को नीलगिरि पर्वतों में हवाई दुर्घटना में वीरगति को प्राप्त हो गए। अपनी जान संकट में होने के बावजूद दूसरों की जान बचाना, यह भारतीय वायुसेना की महान परंपरा है। फ्लाइट लेफ्टिनेंट सुहास बिस्वास इसके लिए सदैव समर्पित रहे।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जस्टिन बीबर ने अनंत-राधिका के संगीत समारोह में अपने प्रसिद्ध गीतों 'पीचेस' और 'बेबी' से मचाई धूम

मुंबई/भाषा। मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर ने जाने-माने उद्योगपति एवं अरबपति मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी और उनकी मंगेतर राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में अपनी प्रस्तुतियों से मनोरंजन जगत और खेल जगत की नामचीन हस्तियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जस्टिन बीबर शुक्रवार सुबह लॉस एंजिलिस से मुंबई पहुंचे थे। उन्होंने रात में नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) में आयोजित अनंत-राधिका के संगीत समारोह में अपने प्रसिद्ध गानों बेबी', सॉरी', लव योर सेल्फ' और 'पीचेस' से धूम मचा दी। अनंत और राधिका मर्चेंट के संगीत समारोह में सलमान खान, आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, अर्जुन कपूर और जाह्नवी कपूर जैसी बॉलीवुड की हस्तियों के अलावा क्रिकेटर एम एस धोनी और टी-20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य हार्दिक पांड्या एवं सूर्य कुमार यादव भी शामिल हुए। सोशल मीडिया पर इस समारोह के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। मशहूर अंतरराष्ट्रीय पॉप गायक जस्टिन बीबर को अनंत और राधिका के संगीत समारोह में प्रस्तुति देने के लिए एक करोड़ अमेरिकी डॉलर का भुगतान किया गया। वह अपनी खास प्रस्तुति देने के बाद मियामी रवाना हो गए।

'कुछ कहीं कुछ अनकही' नाटक के माध्यम से दिवंगत अभिनेता दिलीप कुमार को अर्पित की गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली/भाषा। 'कुछ कहीं कुछ अनकहीं' नाटक के माध्यम से रंगमंच में दिवंगत फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। नाटक की लेखिका सादिया रहमान यह जानकारी दी। दिलीप कुमार का लंबी बीमारी के बाद सात जुलाई, 2021 को 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। रविवार को उनकी तीसरी पुण्यतिथि है। रहमान और इसके (नाटक) निर्देशक याकूब गौरी द्वारा दो जुलाई को 'इंडिया इंटरनेशनल सेंटर' के 'सीडी देशमुख सभागार' में 'कुछ कहीं कुछ अनकही' नाटक प्रस्तुत किया गया। रहमान ने कहा, चूंकि दिलीप साहब की पुण्यतिथि नजदीक है, इसलिए मैंने सोचा कि उन्हें सलाम करने का यह उपयुक्त अवसर है। आज के समय में भी दिलीप साहब के प्रशंसकों की संख्या अधिक है। दिलीप साहब और उनके परिवार ने जिन उतार-चढ़ावों का सामना किया, वे आज हम सभी के सामने आने वाले उतार-चढ़ावों से अलग नहीं हैं।

'कल्कि 2898 एडी' ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ का आंकड़ा पार किया

मुंबई/भाषा। निर्देशक नाग अश्विन की 3डी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' ने वैश्विक स्तर पर 800 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। निर्माताओं ने शनिवार को यह जानकारी दी। 'कल्कि 2898 एडी' फिल्म का बजट 600 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। यह फिल्म 27 जून को छह भाषाओं में विश्व स्तर पर रिलीज हुई थी। वैजयंती मूवीज़ द्वारा निर्मित 'कल्कि 2898 ई.' में अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर में बॉक्स ऑफिस के नवीनतम आंकड़े साझा किए।

बच्चन के 'डीपफेक' वीडियो बनाने के आरोपी को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत देने से अदालत का इनकार

मुंबई/भाषा। मुंबई की अदालत ने उत्तराखंड स्थित उस आयुर्वेद कंपनी के मालिक को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण देने से इनकार कर दिया, जिसके खिलाफ अभिनेता अमिताभ बच्चन का कथित रूप से डीपफेक' वीडियो बनाने और पोस्ट करने का मामला दर्ज किया गया है। सत्र न्यायाधीश वी एम पठाडे ने ऋषिकेश में आयुर्वेद कंपनी चलाने वाले अभिजीत पाटिल को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण देने से इनकार कर दिया। बच्चन ने सोशल मीडिया पर कई डीपफेक' वीडियो देखने के बाद मई में साइबर पुलिस में मामला दर्ज कराया थ। इन डीपफेक' वीडियो में उन्हें पाटिल की कंपनी के उत्पादों का प्रचार करते हुए दिखाया था। आरोपी ने कथित तौर पर यौन स्वास्थ्य उत्पादों का प्रचार करने के लिए अभिनेता के अश्लील डीपफेक' वीडियो बनाए और पोस्ट किए थे। गिरफ्तारी के डर से आरोपी ने सत्र अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी और अपनी याचिका पर निर्णय होने तक अंतरिम राहत मांगी थी।

ब्रिटेन के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री स्टॉर्मर ने मोदी से कहा-

एफटीए पूरा करने के लिए तैयार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री कीर स्टॉर्मर ने शनिवार सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बात की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री आवास डाउनिंग स्ट्रीट के अनुसार, उन्होंने कहा कि वह दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को पूरा करने के लिए तैयार हैं। भारत और ब्रिटेन दो वर्षों से अधिक समय से एफटीए पर बातचीत कर रहे हैं, लेकिन दोनों देशों में आम चुनावों के बीच 14वें दौर में वार्ता रुक गई थी।

उम्मीद है कि अब स्टॉर्मर के नेतृत्व वाली नई लेबर सरकार फिर वार्ता शुरू करेगी। लेबर सरकार को इस सप्ताह भारी बहुमत से वोट मिला है।

नव-निर्वाचित प्रधानमंत्री की हिंद-प्रशांत क्षेत्र से संबंधित अंतरराष्ट्रीय फोन वार्ता के संबंध

में डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि शनिवार को सबसे पहले मोदी से बात हुई और उसके बाद जापान और ऑस्ट्रेलिया से बात की गई। डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता ने कहा, दोनों नेताओं ने चुनावी जीत पर एक-दूसरे को बधाई दी और ब्रिटेन तथा भारत के बीच संबंधों की मजबूती पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा, मुक्त व्यापार समझौते पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वे दोनों पक्षों के लिए लाभकारी समझौता करने के लिए तैयार हैं। दोनों नेताओं ने जल्द से जल्द मिलने की उम्मीद जताई।

जनवरी, 2022 में जब बोरिस जॉनसन ब्रिटिश प्रधानमंत्री थे, तब से दोनों पक्ष 38.1 अरब पाउंड की द्विपक्षीय व्यापार साझेदारी को बढ़ाने के लिए एक समझौते पर पहुंचने की दिशा में काम कर रहे हैं।

इसके बाद से वार्ता को ब्रिटेन में राजनीतिक उथल-पुथल का सामना करना पड़ा। पहले लिज ट्रस को थोड़े समय के लिए प्रधानमंत्री बनाया गया, उसके बाद ऋषि सुनक ब्रिटेन के भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री बने।

ब्रिटेन : प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर के मंत्रिमंडल में लीसा नंदी समेत रिकॉर्ड 11 महिलाएं शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर के मंत्रिमंडल में भारतीय मूल की लीसा नंदी समेत रिकॉर्ड 11 महिलाएं शामिल हैं। उत्तर-पश्चिम इंग्लैंड के विगन संसदीय क्षेत्र से भारी अंतर के साथ पुनर्निर्वाचित होने वालीं लीसा नंदी (44) शनिवार को ब्रिटेन की संस्कृति, मीडिया एवं खेल मंत्री के रूप में अपना पदभार ग्रहण करेंगी। आम चुनाव में प्रचंड जीत दर्ज करने वाले स्टॉर्मर के मंत्रिमंडल में शामिल 11 महिलाओं में रेचेल रीव्स (वित्तमंत्री), एंजेला रेनर (उप प्रधानमंत्री) भी शामिल हैं। दोनों ने इतिहास रचा है क्योंकि रीव्स के तौर पर ब्रिटेन को पहली महिला वित्तमंत्री मिली हैं, वहीं रेनर उप प्रधानमंत्री के पद पर आसीन होने वाली दूसरी महिला हैं।

चुनावों में लेबर पार्टी की शानदारी जीत के बाद स्टॉर्मर ने शुक्रवार को तुरंत अपनी शीर्ष टीम की घोषणा करते हुए नई सरकार के कामकाज की शुरुआत कर दी थी। नंदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि ब्रिटेन के संस्कृति, मीडिया और खेल विभाग (डीसीएमएस) का प्रमुख बनना एक 'अकल्पनीय विशेषाधिकार' है। लीसा (44) जनवरी 2020 में लेबर पार्टी के अध्यक्ष पद के लिए चुनावों में अंतिम तीन दावेदारों में से एक थीं, जहां उनका सामना स्टॉर्मर और एक अन्य उम्मीदवार से था। लीसा तब से स्टॉर्मर के शैडो कैबिनेट (छाया मंत्रिमंडल) में काम कर रही थी। ब्रिटेन में सरकार की खामिया उजागर करने के लिए विपक्ष भी नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में अपना छाया मंत्रिमंडल गठित करता है। लीसा, ऋषि सुनक के नेतृत्व वाले कंजर्वेटिव पार्टी की सरकार में संस्कृति मंत्रालय का कार्यभार संभाल रही लूसी फ्रेजर की जगह लेंगी। ब्रिटेन के संसदीय चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी को बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। कलकत्ता में जन्मे अकादमिक दीपक नंदी और अंग्रेज महिला लुइस बायर्स की बेटी लीसा नंदी का जन्म मैनचेस्टर में हुआ। लीसा नंदी ने अतीत में लेबर पार्टी के सम्मेलनों के दौरान अपनी भारतीय विरासत के बारे में बात की है।

भारतीय मूल के पूर्व ब्रिटिश सांसद आलोक शर्मा को संसद के उच्च सदन का सदस्य मनोनीत किया गया

लंदन/भाषा। ब्रिटेन में इस सप्ताह हुए आम चुनाव नहीं लड़ने वाले कंजरवेटिव पार्टी के भारतीय मूल के पूर्व सांसद आलोक शर्मा को संसद के उच्च सदन 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' का सदस्य मनोनीत किया गया था। शर्मा के मनोनयन पर ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने अपनी मुहर लगा दी जिसके बाद वह हाउस ऑफ लार्ड्स के सदस्य बन गये हैं।

ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने (दो दिन पहले) शर्मा समेत सात व्यक्तियों को उच्च सदन के लिए मनोनीत किया था, जिनमें पूर्व प्रधानमंत्री थेरेसा मे भी शामिल हैं। शर्मा ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, हाउस ऑफ लॉर्ड्स में मनोनीत किए जाने को लेकर विनम्र महसूस कर रहा हूं, लेकिन कंजरवेटिव पार्टी के कई अच्छे उम्मीदवारों का हारते देखकर दुख हुआ, जिनमें रीडिंग वेस्ट एंड मिड बर्कशायर के प्रत्याशी भी शामिल हैं।

शर्मा के संसदीय क्षेत्र रीडिंग वेस्ट एंड मिड बर्कशायर से लेबर पार्टी की ओलिविया बेली को जीत मिली है। आगरा में जन्मे शर्मा (56) को दो साल पहले सीओपी-26 जलवायु शिखर सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में उनके नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर उनके योगदान के लिए पिछले साल चार्ल्स तृतीय की नव वर्ष सम्मान सूची में सर आलोक की उपाधि दी गई थी। इसके बाद वह अब लॉर्ड शर्मा बन गए हैं। शर्मा ने कहा, ''मैं कंजर्वेटिव पार्टी के अपने सहयोगियों का समर्थन करना जारी रखूंगा और सांसद के तौर पर अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों की सेवा करता रहूंगा।''

हमें बेहतर करना चाहिए था, इसमें कोई छिपी बात नहीं : पेटीएम संस्थापक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा ने शनिवार को पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर आरबीआई की कार्रवाई से मिली सीख के बारे में बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि यह व्यक्तिगत स्तर पर एक भावनात्मक झटका था, जबकि पेशेवर स्तर पर उन्हें जिम्मेदारियों को 'बेहतर ढंग से निभाने का सबक मिला।

शर्मा ने बिना किसी लाग-लपेट के कहा, ''मैं कहूंगा कि पेशेवर स्तर पर हमें बेहतर करना चाहिए था, इसमें कोई छिपी बात नहीं है। हमारे ऊपर जिम्मेदारियां थीं, हमें उन्हें और बेहतर तरीके से निभाना चाहिए था।'' शर्मा से 7वें जेआईआईएफ स्थापना दिवस के मौके पर पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर आरबीआई की कार्रवाई के बारे में पूछा गया था। शर्मा ने कहा कि वह इससे भी अधिक चुनौतीपूर्ण वक्त से गुजर चुके हैं। उन्होंने कहा, ''जब मैं 2013-14 के आसपास फंड जुटा रहा था, तब हमारे फंड खत्म हो रहे थे... मैंने सोचा कि अगर हम खत्म हो गए तो किसी को कोई परेशानी नहीं होगी। आज यह बात मायने रखती है। एक संस्थापक के रूप में मेरी कंपनी मेरी बेटी की तरह है... एक कंपनी के रूप में हम परिपक्व हो रहे हैं... यह ऐसा है जैसे स्कूल में टॉप करने वाली बेटी किसी प्रवेश परीक्षा के रास्ते में दुर्घटना का शिकार हो गई हो... यह एक ऐसा एहसास है जो थोड़ा व्यक्तिगत, भावनात्मक है।'' उन्होंने आगे कहा, ''...लेकिन मैं कहूंगा कि पेशेवर स्तर पर, हमें बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था, यह कोई छिपी बात नहीं है। हमारे ऊपर जिम्मेदारियां थीं, हमें उसे बेहतर तरीके से निभाना चाहिए था।'' शर्मा ने कहा कि उनकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा 100 अरब अमेरिकी डॉलर की कंपनी बनाने की है, और वह चाहते हैं कि पेटीएम ब्रांड को वैश्विक स्तर पर भारतीय कंपनी के रूप में पहचाना जाए।

अपने खेल पर फोकस करें, ओलंपिक पर नहीं, हॉकी कोच फुल्टन का टीम को गुरूमंत्र

बेंगलूरु/भाषा। पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम से अपेक्षाओं से बखूबी वाकिफ कोच क्रेग फुल्टन को टीम की तैयारियों पर भरोसा है और अपने खिलाड़ियों के लिये उनका गुरूमंत्र यही है कि ओलंपिक का दबाव लिये बगैर फिलहाल न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच पर फोकस रखें। दक्षिण अफ्रीका के फुल्टन ने भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा, मैं जानता हूं कि तोक्यो ओलंपिक के कांस्य के बाद अपेक्षायें बढी है लेकिन हकीकत यह है कि टीम ने अच्छी प्रगति की है। लंदन ओलंपिक (2012) में 12वें, रियो (2016) में आठवें स्थान से तोक्यो (2020) में तीसरे स्थान पर रहने तक टीम काफी आगे बढ गई है।

दक्षिण अफ्रीका के लिये 1996 और 2004 ओलंपिक खेल चुके फुल्टन ने कहा, मेरा मंत्र स्पष्ट है कि खेल पर फोकस करें, ओलंपिक पर नहीं। यह हॉकी का ही मैच है और नियम भी बदले नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं प्रक्रिया पर भरोसा करने वाला कोच हूं। फिलहाल फोकस न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच पर है। हम मैच दर मैच रणनीति बनायेंगे। भारत में 2018 विश्व कप जीतने वाली बेल्जियम टीम के सहायक कोच रहे 50 वर्ष के फुल्टन को ओलंपिक की तैयारी के लिये पर्याप्त समय नहीं मिला लेकिन उन्हें कोई मलाल नहीं है। वह पिछले साल अप्रैल में भारतीय टीम से जुड़े थे। उन्होंने कहा, आम तौर पर एक ओलंपिक से दूसरे ओलंपिक तक का समय मिलता है लेकिन यह कोई बहाना नहीं है। हमने मेरे आने के तीन महीने के भीतर एशियाई खेलों का स्वर्ण जीतकर ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया। टीम आत्मविश्वास से भरी है और अच्छा खेल रही है। उनका भरोसा टीम के आपसी तालमेल पर है जिसे बढाने के लिये उनके तरीके अनूठे रहे हैं मसलन वह जनवरी में टीम को दक्षिण अफ्रीका ले गए थे जहां खिलाड़ियों ने साथ में पर्वतारोहण किया, सर्फिंग की और बीच पर बारबेक्यू का आनंद लिया।

उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि अगर कोई अच्छा नहीं खेल पा रहा है तो साथी खिलाड़ी को उसकी भरपाई करनी चाहिये। शीर्ष स्तर पर अच्छे प्रदर्शन के लिये खिलाड़ियों का आपसी तालमेल और एक दूसरे पर भरोसा सबसे अहम है। इसी के दम पर वे अपना शत प्रतिशत दे सकते हैं। एफआईएच प्रो लीग में भारत के सातवें स्थान पर रहने या विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर खिसकने से वह चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा, प्रो लीग में हम कुछ मैचों में अच्छा नहीं खेल सके लेकिन उसमें मकसद ओलंपिक के लिये टीम चयन था और काफी बदलाव किये गए। लेकिन सातवें स्थान पर रहने और जीतने वाली टीम में दस अंक का ही अंतर था यानी यह काफी करीबी था हम अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम के साथ नहीं खेले। यही वजह है कि रैंकिंग में भी गिरावट आई।लेकिन इससे मैं परेशान नहीं हूं।

तोक्यो ओलंपिक में कांस्य जीतने वाली भारतीय टीम के 11 खिलाड़ियों के साथ पांच नये खिलाड़ी पेरिस में खेलेंगे लेकिन कोच का मानना है कि उनके पास शीर्ष स्तर पर खेलने के लिये पर्याप्त अनुभव है। उन्होंने कहा, मेरे आने के बाद से हमने करीब 46 मैच खेले हैं जिसमें एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी, एशियाई खेल, प्रो लीग शामिल है। ये सभी खिलाड़ी विश्व कप, राष्ट्रमंडल खेल जैसे टूर्नामेंट खेल चुके हैं और उनके पास काफी अनुभव है। मानसिक अनुकूलन जरूरी है जहां पैडी उपटन की भूमिका अहम होगी। उन्होंने कहा, पैडी शीर्ष क्रिकेटरों के साथ काम कर चुके हैं और हमारे खिलाड़ियों को भी उनसे मदद मिल रही है। मानसिक कौशल पर काम करने की जरूरत है और खिलाड़ी अच्छा कर रहे हैं लेकिन फोकस निरंतरता पर है। आयरलैंड के पूर्व कोच रहे फुल्टन का जोर अच्छे डिफेंस ढांचे पर भी है।

उन्होंने कहा, हम पीसीए (पेनल्टी कॉर्नर अटैक) और पीसीडी (पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस) पर फोकस कर रहे हैं क्योंकि इसी में गलतियां होती है। हमारा आक्रमण अच्छा है लेकिन डिफेंस में लगातार अच्छे प्रदर्शन की भी जरूरत है। पिछले प्रो लीग की तुलना में फील्ड गोल बढे हैं लेकिन पीसीए में गिरावट आई है। भारत को ओलंपिक में पूल आफ डैथ ' मिला है जिसमें आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, अर्जेंटीना जैसे दिग्गज हैं लेकिन कोच ने कहा कि वह इससे विचलित नहीं हैं। उन्होंने कहा, हमें शीर्ष चार में रहने के लिये पांच मैच जीतने हैं। पहला मैच काफी अहम होगा जिससे लय बनेगी।

विनेश फोगाट स्पेन ग्रां प्री के फाइनल में

मैड्रिड/भाषा। पेरिस ओलंपिक जाने वाली भारतीय पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को स्पेन ग्रां प्री में महिलाओं के 50 किलोवर्ग के फाइनल में प्रवेश कर लिया। बुधवार को ऐन मौके पर शेंगेन वीजा पाने वाली विनेश ने तीन मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में उनका सामना पूर्व में रूस की खिलाड़ी रही मारिया तियुमेरेकोवा से होगा जो अब तटस्थ खिलाड़ी के तौर पर खेलती है। विनेश ने पहले क्यूबा की युस्नेलिस गुजमैन को 12 . 4 से हराया। इसके बाद कनाडा की मेडिसन पार्क्स को चित किया और सेमीफाइनल में कनाडा की ही कैटी डचाक को 9.4 से मात दी। विनेश इसके बाद 20 दिन की ट्रेनिंग के लिये फ्रांस जायेगी।

विम्बलडन सेंटर कोर्ट पर तेंदुलकर का खड़े होकर अभिवादन

लंदन/भाषा। चैम्पियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर का शनिवार को दोपहर में यहां पहुंचने पर विम्बलडन सेंटर कोर्ट पर दर्शकों ने खड़े होकर अभिवादन किया। बादामी रंग का सूट पहने तेंदुलकर ने हाथ हिलाकर सभी के अभिवादन का जवाब दिया। विम्बलडन ने एक्स पर डाले वीडियो के साथ लिखा, 'सेंटर कोर्ट पर फिर आपका स्वागत है सचिन।' सेंटर कोर्ट पर प्रस्तोता ने भी तेंदुलकर का स्वागत करते हुए कहा, हमारे बीच भारत के महान क्रिकेटर, विश्व कप विजेता और क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले लीजैंड हैं। सचिन तेंदुलकर का स्वागत कीजिये। इंग्लैंड के टेस्ट और सीमित ओवरों के कप्तान बेन स्टोक्स और जोस बटलर के साथ पूर्व कप्तान जो रूट भी रॉयल बॉक्स में बैठे थे। तेंदुलकर पिछले काफी साल से नियमित तौर पर विम्बलडन देखने जाते हैं।

मधुमेह के बढ़ते मामलों के साथ हम सबूतों को नजरअंदाज नहीं कर सकते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेलबर्न/एजेन्सी। इस सप्ताह ऑस्ट्रेलिया सरकार से हमारे आहार में सुधार लाने के उद्देश्य से कई उपायों को लागू करने की मांग की गई है। इनमें जंक फूड के विज्ञापन पर प्रतिबंध, खाद्य लेबलिंग (खाने-पीने की चीजों के बारे में उपयोगी जानकारी) में सुधार और मीठे पेय पदार्थों पर शुल्क लगाना शामिल है। इस बार ये सिफारिशें ऑस्ट्रेलिया में मधुमेह के बारे में संसदीय जांच से आई हैं। बुधवार को संसद में पेश की गई इसकी अंतिम रिपोर्ट विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों वाली संसदीय समिति द्वारा तैयार की गई थी। इस रिपोर्ट का जारी होना इस बात का संकेत हो सकता है कि ऑस्ट्रेलिया आखिरकार साक्ष्य-आधारित स्वस्थ भोजन नीतियों को लागू करने जा रहा है जिसकी सिफारिश सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ वर्षों से कर रहे हैं।

लेकिन हम जानते हैं कि ऑस्ट्रेलिया की सरकारें ऐतिहासिक रूप से ऐसी नीतियों को लागू करने के लिए तैयार नहीं रही हैं जिनका शक्तिशाली खाद्य उद्योग विरोध करता है। सवाल यह है कि क्या मौजूदा सरकार ऑस्ट्रेलियाई लोगों के स्वास्थ्य को अस्वास्थ्यकर भोजन बेचने वाली कंपनियों के मुनाफे से ऊपर रखेगी।

मधुमेह देश में सबसे तेजी से बढ़ती पुरानी स्वास्थ्य स्थितियों में से एक है, जिससे 13 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। अनुमानों से पता चलता है कि आने वाले दशकों में इस स्थिति से पीड़ित ऑस्ट्रेलियाई लोगों की संख्या में तेजी से वृद्धि होने वाली है। मधुमेह के अधिकतर मामलों का कारण टाइप 2 मधुमेह है। इसकी रोकथाम काफी हद तक की जा सकती है जिसमें मोटापा सबसे मजबूत जोखिम कारकों में से एक है। इस नवीनतम रिपोर्ट से यह स्पष्ट होता है कि मधुमेह के बोझ को कम करने के लिए हमें मोटापे की रोकथाम पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। टाइप 2 मधुमेह और मोटापे से ऑस्ट्रेलियाई अर्थव्यवस्था को हर साल अरबों डॉलर का नुकसान होता है और निवारक उपाय भी अत्यधिक लागत वाले हैं। इसका मतलब है कि मोटापे और मधुमेह की रोकथाम पर खर्च किए गए पैसे से स्वास्थ्य देखभाल लागत में सरकार की भारी बचत होगी। भविष्य में हमारी स्वास्थ्य प्रणालियों को प्रभावित होने से बचाने के लिए रोकथाम भी आवश्यक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | रविवार | 07-07-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जीवन अनिश्चितताओं से भरा लंबा यात्रा-पथ है। यहां किसी के जीवन में कुछ भी घटित हो सकता है। हमारे मन का सोचा हुआ सब सार्थक होगा, यह मानकर चलना बहुत बड़ी भूल है। इसीलिए अच्छे अवसरों का लाभ उठाने का भरपूर प्रयत्न करना चाहिये। जीवन की सफलता का यही मूलमंत्र है। अक्सर देखा जाता है कि लक्ष्मीदेवी तिलक करने द्वार पर आयी और मनुष्य मुंह धोने के लिए चला गया। जब वह वापस लौटा, तब तक लक्ष्मी विदा हो चुकी थी। नीति और धर्मशास्त्रों ने इसे निपट मूर्खता कहा है।

मणिलाल मेहता स्कूल में क्लब गतिविधियों का उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शुक्रवार को मणिलाल एम मेहता गर्ल्स हायर सेकेन्डरी स्कूल में क्लब गतिविधियों के उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई। इसके बाद प्रधानाचार्य शशिकला. एस ने स्वागत करते हुए क्लब गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह न केवल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होगा बल्कि उनकी प्रतिभा को निखारने का भी अवसर प्रदान करेगा।

मुख्य अतिथि गंगाबाई सत्यनारायण दवे जो निवृत सिविल सप्लायस एंड कंज्यूमर प्रोटेक्शन डिपार्मेंट के कमिश्नर है और सत्या वल्लभं जो संजू विमेंस एसोसिएशंस के उप प्रमुख के रूप में नियुक्त हैं उन्हें मंचासीन कराया।

अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को अपनी रुचि के अनुसार क्लब पसंद करने का और सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने यह भी बताया कि क्लब गतिविधियों से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क और रचनात्मकता का विकास करेगी कार्यक्रम में विभिन्न क्लबों के मंत्री तथा सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्लब का परिचय दिया।

आत्मगुणों को बढ़ाने के लिए विवेक, उपशम, संवर को अपनाएं : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माम्बलम स्थानकवासी जैन संघ में विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि यह मनोवैज्ञानिक सिद्धांत है कि जो व्यक्ति हिंसा करता है, वह डरा हुआ रहता है। डरपोक व्यक्ति जल्दी रिएक्ट करता है और जल्दी हिंसा पर उतारू हो जाता है। इतिहास में हमने कई क्रूर शासकों को भी देखा है। उन्होंने कहा यदि आप संतों के पास जाएं और भीतर में शांति का अनुभव हो तो संतों के पास जाना सार्थक होगा। आप विवेक, उपशम, संवर को जानो। अपने आवेग को शांत करो। नहीं तो भीतर के सद्गुण, भीतर की शक्ति, सामर्थ्य नष्ट हो जाएगी।

उन्होंने कहा जो हमारे भीतर सद्गुण है, वह हमारी ताकत है। आप नियम के द्वारा अपनी आत्मशक्ति का बचाव कर सकते हैं। यदि आपका घर खुला हो तो कई अवांछित, उपद्रव करने वाले तत्व जैसे धूल, आंधी घर में घर में प्रवेश कर जाएंगे। धूल, आंधी से बचाव हेतु घर को चारों ओर से बंद रखते हो। ज्ञानी कहते हैं उसी तरह आत्मा

की सुरक्षा करके रखो ताकि अवांछित तत्व अंदर प्रवेश नहीं कर उपद्रव नहीं कर पाए।

युवाचार्य ने कहा, यह संसार अनित्य, अशास्वत, अनिश्चित, नाशवान है। आपको यह सोचना है कि ऐसा कौनसा कर्म, कार्य है जो करुं जिससे अनिष्ट न हो। उन्होंने कविता पाठ के माध्यम से समझाया कि आप अपने मन को समझाओ, यह मानव जीवन बहुत सुहाना है। आगे हमें कहां तक पहुंचना है, यह विचार करो। यदि आपको कोई सद्गुण अपनाना है तो उसके लिए कोई खर्च नहीं आता है। आपको केवल मन को समझाना पड़ेगा। अगर हमारा मन समझ गया तो सब कुछ ठीक हो जाएगा। अगर आपने माइंड सेट कर दिया तो हर चीज संभव है। मन को समझाना है, यही संवर है। ऐसे कार्य करो, ऐसे मन को समझाओ कि दुर्गति में नहीं जाना पड़े। आप धर्म आराधना के क्षेत्र में भी मन को मजबूत बनाएं। गुणों के प्रति प्रयत्नशील रहें। आत्मगुणों को बढ़ाने के लिए विवेक, उपशम, संवर को अपनाएं। रविवार को युवाचार्य के सान्निध्य में आत्म ध्यान शिविर सुबह 10 बजे से 4 बजे तक आयोजित होगा। इस दौरान युवाचार्यश्री के सांसारिक भाई संजय भटेवड़ा का सम्मान माम्बलम स्थानकवासी जैन संघ के अध्यक्ष डॉ. उत्तमचंद गोठी, वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के मंत्री धर्मीचंद सिंघवी और गौतमचंद कटारिया ने किया। संघ मंत्री बी. महेन्द्रकुमार गादिया ने संचालन किया।

अभाव से कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न हो : रूंगटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। डीजी वैष्णव कॉलेज में मारवाड़ी समाज की बैठक शनिवार को आयोजित की गई। कॉलेज के बोर्ड रूम में समाज की बैठक में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष नन्द किशोर रुंगटा ने अध्यक्षता की। इस मौके पर अनेक गणमान्य उपस्थित थे। बैठक में राष्ट्रीय व सामाजिक विकास के अनेक मुद्दों पर गम्भीर रूप से चर्चा की गई। नन्द किशोर रुंगटा ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम ऐसे सम्मानित संगठन के माध्यम से समाज की सेवा कर रहे है। उन्होंने कहा कि हमें उन छात्रों की मदद करनी चाहिए जो आईएएस, पीसीएस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। समाज का कोई बच्चा यदि अभाव के कारण उच्च शिक्षा या प्रतिस्पर्धात्मक शिक्षा से वंचित हो जाता है तो यह हम सभी के लिए चिन्ता का विषय है। रूंगटा ने विवाह, तलाक, व्यापारिक संबंधों में मनमुटाव चिकित्सा सौहार्द आदि विषयों पर गहन विचार किया।

कॉलेज के महासचिव डॉ. अशोक मूंदड़ा ने सभा का स्वागत करते हुए कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि नंदकिशोर रुंगटा जैसा व्यक्तित्व हमारे मार्गदर्शन हेतु यहां उपस्थित हैं। अशोक लखोटिया, अशोक केडिया और अन्य ने रुंगटा का सम्मान किया। बैठक में सामाजिक राष्ट्रीय विकास पर सकारात्मक विचार विमर्श किया गया।

शुभ भावों से की प्रवृत्ति भव सागर पार लगाती : मुनि हिमांशुकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां शनिवार को तंडियारपेट के मांडोत गार्डन में धर्म परिषद को संबोधित करते हुए मुनिश्री हिमांशुकुमार ने कहा कि हमारे जैसे भाव होते, वैसे ही परिणाम होते हैं। पंच महाव्रती साधु साध्वियों को वन्दना श्रद्धा भाव से करनी चाहिए। मन में उत्कृष्ट, प्रसन्नता का भाव होना चाहिए। जैन आगम के अनुसार श्रीकृष्ण ने 22वें तीर्थंकर अरिष्टनेमि के द्वारिका पधारने पर 18000 साधुओं को शुभ संकल्पों से, अहोभाव से, श्रद्धा से, विधि पूर्वक वन्दना करने से उन्हें अत्यधिक थकान महसूस हुई। तीर्थंकर अरिष्टनेमि से जिज्ञासा रखी कि भन्ते! मैने सैकड़ों युद्ध कियें, कभी इतनी शारीरीक थकान महसूस नहीं हुई, आज क्यों? भगवान समाधान में बताते है कि श्रद्धा पूर्वक, शुद्ध भावों से इतने साधुओं को वन्दना करने से तुम्हारे अशुभ दलित बंधे हुए कर्म टुटे है, इसलिए थकान महसूस हो रही हैं और परिणाम स्वरूप तुम्हारे तीर्थंकर गौत्र का भी बंधन हुआ है। आगामी चौबीसी में तुम भी मेरी तरह तीर्थंकर बनोंगे।

मुनिश्री ने आगम सुक्त 'भाव भव नाशनि' अर्थात भाव भव को नाश करने वाले होते हैं- से प्रेरणा देते हुए कहा कि सामायिक के समय और उसके बाद भी मन में समत्व भाव बना रहे। आध्यात्मिक साधना की हर प्रवृत्ति में उत्साह बना रहना चाहिए और पापकारी, सावद्य प्रवृति में भाव धारा निष्पक्ष रहनी चाहिए। मन, वचन, काया के योग से शुद्ध भावों से धार्मिक, आध्यात्मिक क्रिया करने से नीच गौत्र के कर्म टुटते है और उच्च गौत्र के कर्मों का बंधन होता है। अतः व्यक्ति को सांसारिक कार्यों में जागरुकता से, मंदता से, व्यावहारिक पक्ष के निर्वहन भावों से कार्य करना चाहिए। मुनि श्री हेमंतकुमारजी ने कहा कि श्रमणों की उपासना करने वाला श्रमणोपासक होता है। साधुओं की सन्निधि में पहुंचना, वन्दना करना, उपासना करना और जिज्ञासा करने वाला श्रेष्ठ श्रावक कहलाता है।

निःशुल्क रक्तदान शिविर में 123 यूनिट रक्त संग्रहित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानव सेवा कार्यों में अग्रणी संस्था कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन एवं संकल्प इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सनसेरा एरोस्पेस इकाई एवं साएबी इंजियरिंग परिसर में करीब 123 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। फेडरेशन के उपाध्यक्ष प्रशान्त सिंघी ने एक विज्ञप्ति में बताया कि एकत्रित रक्त थैलीसिमिया से पीड़ित बच्चों के उपयोग में लिया जाएगा। इस अवसर पर सनसेरा के राकेश, विजेन्द्र, फेडरेशन के मंत्री रणजीत मेहता, शिविर संयोजक राहुल मेहता, विशाल जैन, चिकित्सक टीम एवं अन्य जन उपस्थित थे।

भगवान महावीर के उपदेश के पालन से ही मोक्ष संभव : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रत्येक मनुष्य मोक्ष प्राप्त करना चाहता है लेकिन वो कर्म बन्धन करना नही छोड़ पाता है, इसलिए उसे प्रभु महावीर की वाणी का अनुसरण करना चाहिए और सामायिक, स्वाध्याय, जप, तप, दान से अपने कर्मो को काटकर अपने जीवन को सार्थक करने का प्रयास करना चाहिए। पुरूषवाकम स्थित जैन स्थानक में साध्वीश्री राजमतीजी महाराज ने वहां उपस्थित जनमेदिनी को संबोधित करते हुए अपने ओजस्वी प्रवचन में यह बात कही।

इससे पूर्व साध्वी विनयश्रीजी ने मनुष्य को सच्चे मन से भगवान महावीर की वाणी के पालन करने का आव्हान किया। मुमुक्षु दीपिका का अभिनदन करते हुए शोभा कांकरिया, पिस्ता बाई झामड, पिस्ता बाई चौरडिया, सरोज कोठारी, निर्मला कोठारी आदि श्राविकाओं ने मुमुक्षु के मंगलमय साधना जीवन की कामना करते हुए उनका सम्मान किया। सभा का संचालन पुरूषवाकम संघ के महामंत्री ललेश कांकरिया ने किया। साध्वी वृंद रविवार को एल पी अभिनदन में विहार प्रस्तावित है। यह जानकारी साहूकार पेट संघ के मीडिया प्रभारी अजीत कोठारी ने दी।

नेत्र सम्मेलन का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चेन्नई में दो दिवसीय भारतीय इंट्राओकुलर इम्प्लांट और रिफ्रेक्टिव सर्जरी कन्वेंशन 2004, इंट्राओकुलर इम्प्लांट और रिफ्रेक्टिव सोसाइटी इंडिया (आईआईआरएसआई) का एक प्रमुख वार्षिक कार्यक्रम का शनिवार को हुआ।

देश भर के 4000 से अधिक नेत्र रोग विशेषज्ञों और लगभग 50 विशेषज्ञ वक्ताओं की भागीदारी के साथ शुरू हुआ। जिसमें इंट्राओकुलर इम्प्लांटेशन (आईओएल) और लेसिक और रिफ्रेक्टिव सर्जरी के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय दिग्गज शामिल हैं। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशन्यायमूर्ति आर. महादेवन, अध्यक्ष डॉ. जगत राम, महासचिव प्रो. डॉ. अमर अग्रवाल और आईआईआरएसआई के अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में सम्मेलन का उद्घाटन किया।

गुरु दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ सभा व अणुव्रत समिति बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालाल चिप्पड़ ने गुजरात में आचार्यश्रीमहाश्रमणजी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में 55 लोग हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय चिकबलापुर के महावीर जैन संघ व प्रोजेक्ट दृष्टि के संयुक्त तत्वावधान में एस,स जैन भवन में 226वां निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 55 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया तथा 25 मरीजों का शल्य चिकित्सा के लिए चयन किया गया। जैन मिशन अस्पताल में डॉ नरपत सोलंकी ने सभी मरीजों का ऑपरेशन किया। □

इंटर स्कूल थ्रो बॉल टूर्नामेंट — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में एसआरपी कॉलोनी के जयगोपाल गारोदिया मैट्रिक उच्च माध्यमिक विद्यालय में दो दिवसीय इंटर स्कूल थ्रो बॉल टूर्नामेंट फॉर गर्ल्स का आयोजन किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.